''राष्ट्रीय हिंदी दैनिक अखबार''

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 277 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रुपए रविवार, 22 दिसंबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सहित कई बड़े नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री स्व. ओमप्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

किसान हित और ग्रामीण विकास चौ. ओमप्रकाश चौटाला की रही प्राथमिकता : जगदीप धनखड़

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ व उनकी धर्मपत्नी डॉ सुदेश धनखड़ शनिवार को जिला सिरसा के तेजा खेड़ा फार्म, चौटाला में पहुंचकर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उन्होंने पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उप राष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के साथ अपने संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि 5 दिन पहले ही उनसे मेरी बात हुई थी। उस समय भी वो मेरे स्वास्थ्य का पूछ रहे थे, मेरी चिंता ज्यादा कर रहे थे। 29 साल पहले का वो दिन, जब उन्होंने मेरा हाथ पकड़ कर जो यात्रा शुरू करवाई, 9वीं लोकसभा में निर्वाचित करवाकर मंत्री पद देकर, वो मैं भूल नहीं सकता। जब भी मौका मिला, मुझे उनका आशीर्वाद मिला। राज्यपाल का पद ग्रहण करते ही मैंने आपका आशीर्वाद लिया।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि 7 बार विधायक रहना और 5 बार मुख्यमंत्री बनना चौधरी साहब को परिभाषित नहीं करता बल्कि किसान, गांव का विकास उनकी प्राथमिकताएं थी, उनका संकल्प था, उनका ध्येय था, उनका उद्देश्य था। जीवन पर्यंत उन्होंने अपने को किसान कल्याण और ग्रामीण विकास के लिए समर्पित किया। कुछ भी परिस्थिति हो, कुछ भी हालात हों, किसान हित और ग्रामीण विकास को उन्होंने नहीं छोड़ा। उन्होंने ये निश्चित कर दिया कि देश का उत्थान, प्रगति, शांति, विकास किसानों के विकास और गांव के विकास से जुड़ा हुआ है। कोई ऐसा मौका नहीं आया, जब उन्होंने मेरी चिंता नहीं की। जगदीप धनखड़ ने कहा कि ऐसा प्रखर वक्ता, ऐसा स्पष्ट वाद करने वाला व्यक्ति, ऐसा निर्भीक व्यक्ति, ऐसी रीढ़ वाला व्यक्ति जो ग्रामीण व्यवस्था के प्रति समर्पित रहा है। उन्होंने जो दार्शनिक रूप अपनाया,

जो संकट झेले, जो व्यवस्थाओं की क्रूरता देखी, वो प्रासंगिक है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने हमें सिखाया कि रास्ता कठिन होगा, लोग बेवजह समस्याएं पैदा करेंगे, आप के कीर्तिमान को सही रूप से नहीं मानेंगे, पर निश्चित लक्ष्य है, किसान और ग्रामीण, ये दोनों महत्वपूर्ण हैं। विकसित भारत का सपना किसान के खेत और ग्रामीण विकास से निकलेगा। जो मजबूती मैंने उनमें देखी, वो अनुकरणीय है। हमारे लिए मार्ग प्रशस्त करती है। चौधरी ओम प्रकाश चौटाला 1989 के बड़े राजनीतिक बदलाव के प्रमुख सूत्रधारों में से थे। किसान कर्ज़ मुक्त हो, उनका ध्येय था। जनता दल सरकार का किसान कर्ज़ माफी कदम उनकी पहल था। इन्होंने जो संकट झेल कर भी किसान की सेवा की है और कर्ज माफी के लिए उस समय लड़ाई लड़ी थी। किसान के साथ संवाद, किसान के हित की बात करना, किसान के हित को आगे बढ़ाना, किसान के हित को अपने मन में रखना, किसान का हित एक मात्र देश का हित, देश का विकास है, ये उन्होंने सिखाया। निस्संदेह देश विकास और विकसित भारत का लक्ष्य ग्रामीण और किसान हित साधने से ही संभव है। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है संकलपित होने की, अन्नदाता से संबंधित प्रकरण संवाद हो और संवेदना से निर्णीत हों। अन्नदाता आर्थिक समृद्धि का आधार है, सामाजिक समरसता का सूत्रधार है। किसानों का कल्याण ही देश प्रगति का रास्ता है और यही देश हित में भी है।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा और आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल आज जिला सिरसा के तेजा खेड़ा फार्म पहुंचकर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला की अंतिम यात्रा में सम्मिलित हुए और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किए। तेजा खेड़ा फार्म में राजकीय सम्मान के साथ चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का अंतिम संस्कार किया गया। मनोहर लाल ने कहा कि चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का लंबा राजनीतिक जीवन जनता-जनार्दन की सेवा में समर्पित था। विशेष रूप से किसान-कमेरे वर्ग के कल्याण के लिए उन्होंने हमेशा अपनी आवाज बुलंद की। उनका जाना देश व प्रदेश की राजनीति के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

चौधरी ओमप्रकाश चौटाला का राजनीतिक जीवन जनता-जनार्दन की सेवा में था समर्पित : मनोहर लाल

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री चौ. ओमप्रकाश चौटाला को दी श्रद्धांजलि

सिरसा के तेजा खेड़ा फार्म में राजकीय सम्मान के साथ हुआ चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का अंतिम संस्कार

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का शनिवार को जिला सिरसा के तेजा खेड़ा फार्म में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भी तेजा खेड़ा फार्म पहुंचकर चौधरी ओम प्रकाश चौटाला के अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। अंतिम दर्शन के दौरान हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंदर कल्याण, कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, श्री महिपाल ढांडा, डॉ अरविंद शर्मा, श्री श्याम सिंह राणा, श्री रणबीर गंगवा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहनलाल बडोली और सांसद श्री कार्तिकेय शर्मा सहित कई बड़े नेताओं और लोगों ने पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर अपनी ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रात: 8 बजे से पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया था।

राजकीय सम्मान के साथ दी गई अंतिम विदाई

पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय तिरंगे में लपेटकर अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया। अंतिम संस्कार से पहले हरियाणा पुलिस की टुकड़ी की ओर से गार्ड-ऑफ-ऑनर दिया गया। इस दौरान श्री रणजीत सिंह चौटाला, श्री अभय चौटाला, श्री अजय चौटाला, श्री दुष्यंत चौटाला, श्री दिगविजय चौटाला, श्री करण चौटाला और श्री अर्जुन चौटाला सहित पूरे परिवार ने पार्थिव शरीर के अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञात है कि पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला का 20 दिसंबर को गुरुग्राम में निधन हुआ था। वे 89 वर्ष के थे। हरियाणा सरकार ने दिवंगत के सम्मान में प्रदेश में तीन दिन का राजकीय शोक घोषित किया हुआ है।

बाबा साहेब का अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे, जन-जन में जाकर करेंगे भाजपा की जनविरोधी सोच को उजागर : कुमारी सैलजा

कहा-भाजपा दलित विरोधी है, किसान विरोधी है और नागरिक विरोधी भी है

समाचार गेट/ब्यूरो

सिरसा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री, उत्तराखंड की प्रभारी व सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा दलित विरोधी है, किसान विरोधी है और नागरिक विरोधी है। उन्होंने कहा कि आज देश ही नहीं दुनिया देख रही है कि हमारी संसद में क्या हो रहा है। चाहे वह लोकसभा हो या फिर राज्यसभा। दोनों सदनों में जो हो रहा उसको पुरी दुनिया देख रही है। कुमारी सैलजा शनिवार को कांग्रेस भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थी।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि विपक्ष का काम होता है लोगों की आवाज को उठाना, लोगों के मुद्दों को उठाना पर सत्ता पक्ष संसद में सत्र चलने ही नहीं देता। विपक्ष न तो लोकतंत्र भी मजबूत नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जब देश आजाद हुआ तो संविधान बनाने के लिए जो कमेटी बनाई गई उसमें कांग्रेस ने सभी पार्टियों को शामिल किया ताकि सभी धर्मों व सभी लोगों की तरफ से इस कमेटी में प्रतिनिधित्व हो। यह सोच थी कांग्रेस के नेताओं की। उस समय जिन को आज भाजपा अपना नेता मानती है श्यामाप्रसाद मुखर्जी को भी संविधान बनाने की कमेटी में शामिल किया गया। आाजादी के बाद जब संविधान की रचना करने की बात आई तो सभी के दिमाग में एक ही नाम पूरे देश से सामने आया और वो नाम था बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का। दुनिया में कई ऐसे देशों में लोकतंत्र स्थापित हुआ जो पहले कभी गुलाम रहे थे पर आज भारत को छोड़कर कोई ऐसा देश नहीं जहां लोकतंत्र बचा हो। हमारा

लोकतंत्र इसलिए बचा हुआ है कि बाबा साहेब जैसे महान व्यक्ति की सोच के अनुसार संविधान बना था। आज ऐसे महान व्यक्तित्व जिनको लोग भगवान से कम नहीं मानते उनका मजाक उड़ाया जाना पूरे देश का मजाक उड़ाना है। हम से ऐसे शब्द आम आदमी के लिए भी नहीं बोले जाते जो भाजपा वाले बाबा साहेब के बारे में बोल रहे हैं।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि हम संविधान को ग्रंथ से कम नहीं मानते और इन लोगों को ग्रंथ की इजत करना भी नहीं आता। ये कहते हैं कि 60 साल में क्या हुआ, तो बता दूं कि हमारा देश बना, संविधान बना, लोगों को अधिकार मिले। आपस में विचार अगल-अलग हो सकते हैं और लोकतंत्र में ऐसा होना भी चाहिए पर भाजपा सत्ता के नशे में विपक्ष का आवाज को ही दबाना चाहती है। हमें अपने विचार रखने के अधिकार संविधान नहीं दिए हैं। आज इनको आदत हो गई है कि नेहरू जी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सभी कांग्रेस के नेताओं के बारे में गल्त बोला जाए।

चौ. ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर जताया शोक

कांग्रेस भवन में आयोजित जनसभा के दौरान कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला, शिशपाल केहरवाला सहित सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रख कर पूर्व मुख्यमंत्री चौ. ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर शोक प्रकट किया। इस दौरान कुमारी सैलजा ने कहा कि हमारा आज गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ रोष प्रदर्शन करने का कार्यक्रम पहले से ही तय था पर शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री चौ. ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर हमने इस विरोध प्रदर्शन को रद्द कर दिया है। उन्होंने कहा कि चौटाला साहब पूर्व में मुख्यमंत्री रहे, उनका अपना व्यक्तित्व था और वे सिरसा के बेटे थे इसलिए हम ये विरोध प्रदर्शन नहीं करेंगे पर भाजपा के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे और जनता के मुद्दों को निरंतर उठाते रहेंगे।

'प्रशासन गांव की ओर : सुशासन प्रथाओं पर कार्यशाला का आयोजन कल

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। सुशासन सप्ताह के तहत फरीदाबाद जिला में चल रहे प्रशासन गांव की ओर अभियान में ग्रामीण विकास पर फोकस करते हुए लोगों को जोड़ा जा रहा है। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के सीईओ सतबीर मान ने बताया कि राष्ट्रव्यापी सुशासन सप्ताह अभियान के तहत हरियाणा सरकार द्वारा मनाए जा रहे 'प्रशासन गांव की ओर अभियान के अंतर्गत 23 दिसंबर को लघु सचिवालय सभागार में सुशासन प्रथाओं/पहलों पर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही दिनांक 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों सुशासन पुरस्कार से सम्मानित जाएगा और जिला स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे। जिला ग्रामीण विकास अभिकरण के सीईओ सतबीर मान ने बताया कि कार्यशाला में सार्वजनिक सेवा वितरण, स्वास्थ्य, शिक्षा, शिकायत निवारण, सार्वजनिक कार्य आदि के क्षेत्रों में किए गए कार्यों की उपलब्धियां दर्शायी जाएंगी और ग्रामीण विकास के लिए किए जाने वाले कार्यों को लेकर विचार साझा किए जाएंगे।

सदस्यता अभियान का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना है : सूरजपाल भूरा

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। गांव चांदपुर के सरपंच एवं फरीदाबाद सरपंच एसोसिएशन के प्रधान सूरजपाल भूरा सरपंच बने भाजपा पार्टी के सक्रिय सदस्य। संगठन पर्व सदस्यता अभियान के निमित्त आज भाजपा तिगांव मण्डल अध्यक्ष गिर्राज त्यागी के द्वारा भाजपा पार्टी के सक्रिय सदस्य बनाए गए। इस अवसर पर भूरा सरपंच ने कहा कि सदस्यता अभियान का उद्देश्य संगठन को मजबूत करने के साथ-साथ नये लोगों को पार्टी की विचारधारा से जोडना है और हमने सदस्यता अभियान के बचे हुए दिनों में जिले को हरियाणा में सर्वप्रथम लाना है।

जानकारी के लिए बता दें कि भाजपा हर 6 वर्ष के बाद सदस्यता अभियान चलाती है और सभी सदस्य अपनी सदस्यता का नवीनीकरण करवाते हैं, इसी कड़ी में सरपंच भूरा ने कहा कि सदस्यता अभियान के तहत कार्यकर्ता गांव गली में जाकर लोगों को भाजपा से जोड़ेंगे। उन्होंने अपील की कि सभी बूथ अध्यक्ष इस अभियान को गति दें और लक्ष्य से अधिक सदस्यता करवाएं ताकि बार बार भाजपा सरकार का नारा साकार होता रहे।

सूरजपाल भूरा ने कहा कि भाजपा की नीतियों, विचारों को जनता पसंद कर रही है। तभी तो इस सदस्यता अभियान में लोग बढ़ चढकर भाग ले रहे है। मैं कार्यकताओं को नमन करता हुं और विश्वास दिलाता हुं कि एक दिन फरीदाबाद जिला हरियाणा में नंबर वन पर होगा। क्योंकि जहां महिला शक्ति और युवा मिलकर काम करते हो तो वह मुकाम पाकर छोड़ते हैं। मड़ल अध्यक्ष गिर्राज त्यागी ने कहा कि सभी कार्यकर्ता मिलकर पूरी शक्ति से काम कर रहे है जिसका नतीजा सदस्यता अभियान के आखिरी दिन आएगा जब पूरे हरियाणा में जिला फरीदाबाद शिखर पर होगा। इस अवसर पर एडवोकेट विक्रम अरुआ, राजेंद्र तालान आदि उपस्थित रहे।

सक्रिय सदस्य बनने पर गौरव का अनुभव होता है: बिजेंद्र नेहरा

प्रदेश प्रवक्ता बिजेंद्र नेहरा बने भाजपा पार्टी के सक्रिय सदस्य

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। भाजपा हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता बिजेंद्र नेहरा भाजपा पार्टी के सक्रिय सदस्य बनाए गए।

इस अवसर पर फरीदाबाद के जिला प्रभारी नरेन्द्र वत्स, दोनों जिला महामंत्री मनोज वशिष्ठ व सुरेन्द्र जांगड़ा ने साहूपुरा जाट चौक स्थित भाजपा पृथला विधानसभा क्षेत्र कार्यालय पर बिजेंद्र नेहरा को भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय सदस्य की सदस्यता ग्रहण करवाई।

इस अवसर पर नेहरा ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक राजनैतिक पार्टी का सक्रिय सदस्य बनने पर गौरव का अनुभव होता है। इस मौके पर नेहरा ने कहा कि भाजपा की सदस्यता अभियान में लोगों को जोड़ना भी उनका लक्ष्य है।

प्रत्येक व्यक्ति के लिए आवश्यक टोल फ्री नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112, 100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444

स्किन को डल नहीं पड़ने देगा यह स्पेशल विंटर पैक

सर्दियों में संतरा बहुत अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसमें मौजूद विटामिन-सी आपकी सेहत और त्वचा दोनों के लिए फायदेमंद होते हैं। संतरे के छिलके और इसका रस दोनों की आपके चेहरे को फायदा पहुंचाता है। अगर आप चेहरे की रंगत निखारना चाहते हैं तो संतरे के रस का इस्तेमाल करें और अगर कहीं आपके चेहरे पर झाइयां है तो संतरे का छिलका फेंकने की बजाय इसका इस्तेमाल करें।

रंगत निखारने के लिए संतरे का रस

अगर आपकी स्किन सर्दियों में डार्क हो जाती है तो आधा चम्मच बेसन में 1 चुटकी हल्दी, 2 चम्मच संतरे का जूस, शहद और जरुरत अनुसार गुलाब जल के इस्तेमाल से एक पैक तैयार कर लें। इस पैक को ताजा बनाकर ही अप्लाई करें। पैक लगाने के बाद सूखने तक इंतेजार करें। जब पैक हल्का सूख जाए तो गीले हाथों के साथ हल्का मसाज करें और सादे या गुनगुने पानी के साथ चेहरा धो लें।

बेदाग और चमकदार चेहरा पाने के लिए इस पैक को हफ्ते में दो बार जरुर अप्लाई करें। शुरुआत में हो सकता है पैक लगाने के बाद हल्की जलन महसूस हो मगर धीरे-धीरे यह ठीक हो जाएगी। असल में संतरे और नींबू जैसे खट्टे फलों में एसिडिक तत्व मौजूद होता है, जिससे इन्हें चेहरे पर लगाने से कुछ जलन महसूस हो सकती है।

झाइयां दूर करने के लिए संतरे की छिलका

4-5 संतरों के छिलके धूप में सुखाकर मिक्सी में पीस लें। इन्हें तभी पीसें जब छिलके पूरी तरह सूखकर कड़क हो जाएं। उसके बाद तैयार पाऊडर में 1 टीस्पून शहद, 1 टीस्पून बेसन और कच्चा दूध मिलाकर इसे चेहरे पर लगाएं। अगर झाइयां ज्यादा हैं तो आप रोज वॉटक की जगह आलू का रस भी डाल सकती हैं। इस पैक को हफ्ते में एक बार जरूर अप्लाई करें।

रेसिपी

टेस्टी एंड सॉफ्ट ढोकला

सामग्री

■ बेसन- 1 कप ■ नींबू का रस- 1 टेबलस्पून ■ दही- 2 टेबलस्पून ■ हरी मिर्च-अदरक का पेस्ट- 1 टेबलस्पून ■ ईनो फ्रूट साल्ट- 1 टीस्पून ■ हल्दी पाउडर- चुटकीभर ■ तेल-1 टीस्पून ■ पानी- 3 कप ■ नमक- स्वादानुसार

विधि

पहले एक बर्तन में बेसन को छननी से छान लें। अब बेसन में पानी डालते हुए घोल तैयार करें। ध्यान रखें घोल न ज्यादा पतला हो और न ही गाढ़ा) इसमें नींबू का रस, नमक और दही डालकर अच्छी से मिलाएं। अब तैयार मिश्रण को 1-2 घंटे अच्छी तरह फूल जाने के लिए ढक्कर रख दें। अब इसमें हरी मिर्च- अदरक का पेस्ट डालकर अच्छी से फेंट लें। एक बर्तन में तेल लगाकर ग्रीस करें। इसमें ढोकला बेटर डालें। अब कुकर में पानी डालकर तेज आंच पर गैस पर रखें। फिर बेसन के पेस्ट में ईनो फ्रूट साल्ट डालकर 1 मिनट तक या जब तक पेस्ट फूल न जाएं तब तक मिक्स करें। अब कुकर की सीटी निकाल दें और मिश्रण को इसमें रखकर ऊपर से ढक्कन बंद कर दें। मीडियम आंच पर 20-25 मिनट तक भाप में पकाने के बाद कुकर का प्रेशर खत्म होने के बाद ढक्कन खोलें। आप ढोकले में चाकू डालकर चैक भी कर सकते हैं। अगर चाकू साफ है तो ढोकला पक गया है और अगर इसमें पेस्ट का गीलापन लगा है तो इसे थोड़ी देर तक और पकाएं। पकने के बाद ढोकले को कुकर से निकाल लें। तैयार ढोकले को अपने हिसाब से टुकड़ों में काट लें।

क्रिस्पी गुड़ का डोसा

सामग्री

■ गेहूं का आटा- एक कप ■ गुड़- आधा कप ■ नारियल- 2 टेबलस्पून (कद्दूकस किया हुआ) ■ चावल का आटा- एक छोटा कप ■ इलायची पाउडर- 1 टीस्पून ■ घी- आवश्यकतानुसार ■ पानी- 1 कप

विधि

सबसे पहले एक पैन में धीमी आंच पर पानी गर्म करें। अब इसमें गुड़ डाल कर अच्छी तरह से पानी में घुलने दें। जब गुड़ घुल जाएं तो गैस बंद कर दें। अब एक बर्तन में गुड़ को ठंडा करके छननी से छान लें। अब इसमें गेहूं का आटा, नारियल, चावल का आटा और इलायची पाउडर डाल कर मिक्स करके और गाढ़ा घोल तैयार करें। मीडियम आंच में एक तवा गरम करने के लिए रख दें। तवे के गरम होने के बाद उसमें घी डालें। एक बड़े चम्मच या कटोरी से तैयार घोल को तवे पर डालते हुए गोल आकार में फैलाएं। अब दोनों तरफ से अच्छी तरह सेंक लें। इसी तरह पूरे घोल के डोसे बना लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3388

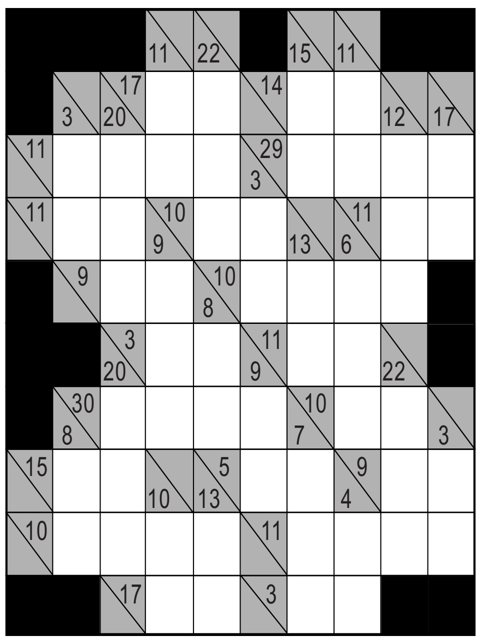

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

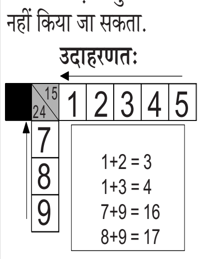

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3387 का हल

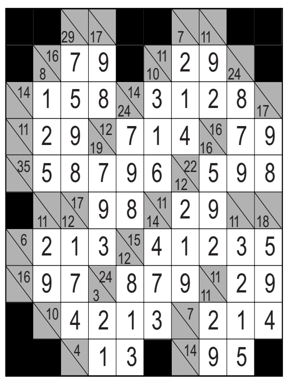

हंसी के फूव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा- 'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला- 'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे, इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

□ □ □

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा- 'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

□ □ □

रमेश ने महेश से पूछा- 'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश- 'पागल था वह ?'

रमेश- 'वह कैसे ?'

महेश- 'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3388

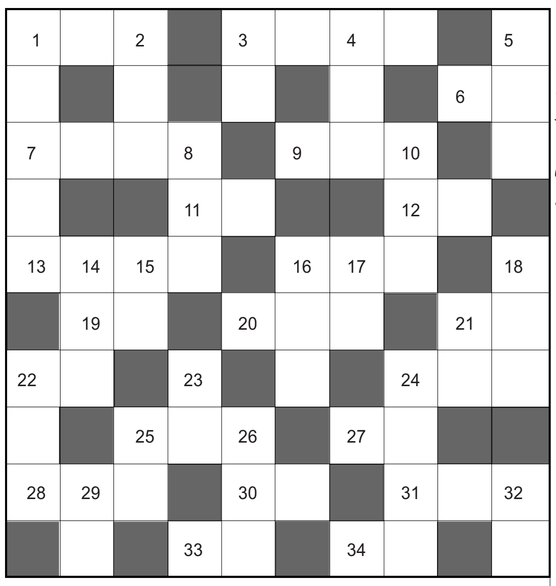

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अंखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3387

उ	म	श	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्वा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
श	त	औ	र	दि	न		रो		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

सूडोकु -3388

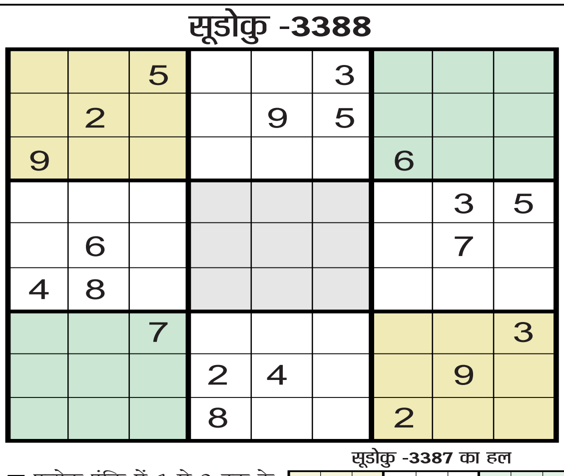

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3387 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

शब्द पहेली - 3388

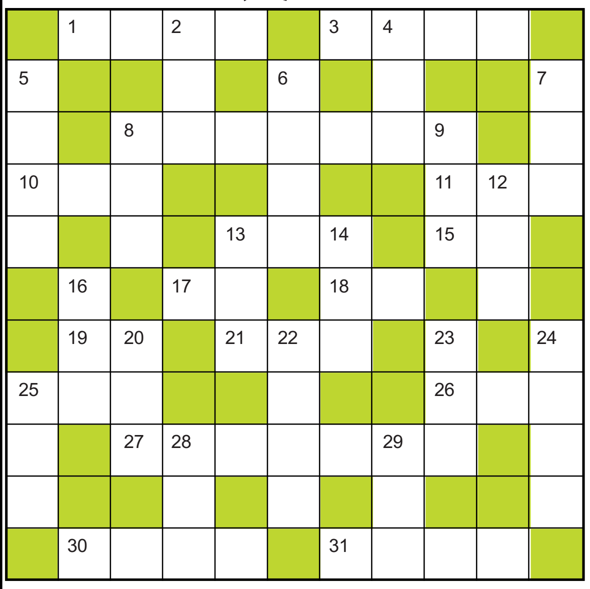

बाएँ से दाएँ

1.ईष्ट कृपा,वर-4
3.मान का विलोम-4
8.शैतानी करना-4,3
10.झगड़ा,बैर-3
11.जंगल,वन-3
13.सर्दी से बचने के लिये जलाई गई लकड़ियों का ढेर-3
15.जलने के बाद बचे अवशेष-2
17.कार्य-2
18.पतवार-2
19.नमाज से पहले हाथ-पांव धोना-2
21.नमस्कार-3
25.बूंद-3
26.जिज्ञासा,लगन-3
27.आत्मोत्सर्ग करना-4,3
30.मां के माता-पिता-2,2
31.रपटना-4

ऊपर से नीचे

2.वलय,घेरा-3
4.तीन घंटे का समय-3
5.खिसकना-4
6.उन्मादी,मदमस्त-4
7.यज्ञ,होम-3
8.नगर-3
9.तिरस्कृत-3
12.रूप अभिमान-3
13.शांति-3
14.प्रतिज्ञा-3
16.सहभोज-3
20.मोजा, पायताबा-3
22.उदारता-4
23.परवरिश करना-3
24.वचन तोड़ना-4
25.लेखनी-3
28.लिखावट-3
29.अमीर,धनवान-3

शब्द पहेली -3387 का हल

अ	मा	न	त		अ		बी	र	ब	ल
	ला		वा		म	हि	मा		ल	व
म			य	की	न		र			कु
त	क	ली	फ		चै	त्र		क	ल	श
वा		ड		रा	न		गै		ह	
ला	प	र	वा	ह		का	र	गु	जा	री
	र		दा		अ	स्त		मा		मा
प्र	ख	र		पा	प		म	न	च	ला
जा			शा		ह	न	न			गू
प	र		पि	ह	र		ह		शा	
ति	जा	र	त		ण		र	ह	म	त

सार्वजनिक स्थानों और सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता बढ़ाने के लिए चलेगा विशेष अभियान

सफाई और रिकॉर्ड प्रबंधन पर रहेगा फोकस

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों, शहरी स्थानीय निकायों, पंचायती राज संस्थाओं, सार्वजनिक स्थानों और सरकारी कार्यालयों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'स्वच्छ हरियाणा मिशन' के अंतर्गत 31 जनवरी, 2025 तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी डीसी विक्रम सिंह ने दी। डीसी ने बताया कि हरियाणा के मुख्य सचिव डॉ. विवेक जोशी ने केन्द्र सरकार के प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के सचिव श्री वी. श्रीनिवास के साथ एक वर्चुअल बैठक के बाद अभियान के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह अभियान दो चरणों में चलाया जाएगा। इस पहल के तहत, पंचायती राज संस्थान और शहरी स्थानीय निकाय निरंतर सफाई, अपशिष्ट प्रबंधन और स्थिरता पहल सुनिश्चित करने के लिए गतिविधि कैलेंडर भी बनाएंगे।

डीसी ने बताया कि इस विशेष अभियान का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों और अधिकारियों के साथ जनता के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए उनके संबद्ध या अधीनस्थ कार्यालयों, सार्वजनिक उपक्रमों आदि समेत सभी सरकारी कार्यालयों में सफाई को बढ़ाना भी है। अभियान का फोकस प्रशासनिक विभागों और निदेशालयों के साथ-साथ सेवा वितरण के लिए उत्तरदायी क्षेत्रीय व जिला कार्यालयों और सार्वजनिक संपर्क वाले कार्यालयों पर रहेगा। तैयारी का चरण 31 दिसंबर तक चलेगा और इसमें विभागों में जमीनी स्तर पर काम होगा। इस चरण के दौरान, अभियान से जुड़ी गतिविधियों की अगुवाई करने के लिए जिला कार्यालय और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई में नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। ये अधिकारी कर्मचारियों को जुटाएंगे, सफाई अभियान के लिए स्थलों की पहचान करेंगे और ई-नीलामी सहित निपटान के लिए अनावश्यक सामग्रियों का आँकलन करेंगे। हरियाणा सरकार की कार्यालय प्रक्रिया नियमावली में दिए दिशानिर्देशों के अनुसार दस्तावेज रिटेंशन को सुव्यवस्थित करने और अप्रचलित रिकॉर्ड को हटाने पर ध्यान देने के साथ ही रिकॉर्ड प्रबंधन पर भी बल दिया जाएगा।

डीसी ने बताया कि 1 जनवरी से 31 जनवरी, 2025 तक मुख्य चरण के दौरान, विभागों द्वारा तैयारी चरण के दौरान बनाई गई योजनाओं को लागू किया जाएगा। नोडल अधिकारी हाई-रिज़ॉल्यूशन फोटो और वीडियो के साथ प्रगति का दस्तावेजीकरण करने, उपलब्धियों की रिपोर्ट करने और अभियान के प्रभाव पर जनता से प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। एनआईसी द्वारा विकसित एक केंद्रीय निगरानी पोर्टल के माध्यम से अभियान की प्रगति को ट्रैक किया जाएगा। नोडल अधिकारी अपने-अपने विभागों की उपलब्धियों और सर्वोत्तम प्रथाओं को उजागर करते हुए इस पोर्टल को प्रतिदिन अपडेट करेंगे। अभियान की सफलता का मूल्यांकन करने के लिए जनता से प्राप्त प्रतिक्रिया का दस्तावेजीकरण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रशासनिक सचिव नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा करेंगे और समर्पित अधिकारी स्वच्छता प्रयासों का आकलन करने के लिए अभियान स्थलों का दौरा भी करेंगे। इस अभियान का उद्देश्य सरकारी कार्यालयों में समग्र कार्य परिवेश को बढ़ाना है, ताकि आमजन के संतुष्टि स्तर में सुधार हो। यह पहल स्थान अनुकूलन, रिकॉर्ड प्रबंधन और स्वच्छता सुनिश्चित करके दक्ष और बेहतर सेवा वितरण की सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

पुलिस के प्रयासों से वर्ष 2024 में महिला अपराधों में आई कमी

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की सख्त कार्रवाई व सतर्कता से अभी तक वर्ष 2023 की अपेक्षा 2024 में महिला विरुद्ध अपराधों के 181 मामलों की कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2023 के 720 के मुकाबले वर्ष 2024 में दर्ज हुए हैं 539 मामले, 181 मामलों की कमी आई है। पुलिस प्रवक्ता ने मामले में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि महिला विरुद्ध अपराध के शीर्षक दुष्कर्म के साथ हत्या के वर्ष 2023 में 4 के मुकाबले 2024 में 1 मामला, अश्लील शब्दों का प्रयोग करने के 5 के मुकाबले 1, दहेज हत्या के 32 मामलों के मुकाबले 23, छेड़छाड़ के 127 के मुकाबले 77 मामले, 8/12 पोक्सो के 56 के मुकाबले 47, नाबालिक लडकी को बहला फुसलाकर ले जाने के 85 के मुकाबले 49 मामले, महिला को शादी के लिए मजबूर करने या दुष्कर्म आदि के लिए अपहरण के 25 के मुकाबले 15 मामले, दुष्कर्म के 169 के मुकाबले 105 मामले, सामूहिक दुष्कर्म के 6 के मुकाबले 3 तथा दुष्कर्म के प्रयास के वर्ष 2023 में 08 मामलों के मुकाबले वर्ष 2024 में 06 मामले दर्ज हुए हैं, इस प्रकार महिला विरुद्ध अपराध के अंतर्गत वर्ष 2023 में 720 मामलों के मुकाबले वर्ष 2024 में 539 मामले दर्ज हुए हैं। जिनमें 181 मामलों की कमी दर्ज की गई है। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि फरीदाबाद पुलिस लगातार महिला विरुद्ध अपराध पर नियंत्रण करने के लिए प्रयासरत है। महिला विरुद्ध अपराधों को कम करने तथा महिलाओं की सुरक्षा के प्रति फरीदाबाद पुलिस गम्भीर है। फरीदाबाद पुलिस द्वारा महिला सुरक्षा के मध्यनजर सराहनीय कार्य करते हुए रात्रि के समय अकेली व असहाय महिलाओं को उनके गंतव्य स्थान पर सुरक्षित पहुंचाया जा रहा है। वर्ष 2024 में नवम्बर माह तक 123 महिलाओं को फरीदाबाद पुलिस द्वारा सहायता करते हुए उनके गंतव्य स्थान पर सुरक्षित पहुंचाया गया। फरीदाबाद पुलिस ने महिला सुरक्षा के लिए अह्म कदम उठाते हुए रेड डॉट फाउंडेशन एनजीओ के सहयोग से सर्वे कराया गया है। जिसके अंतर्गत सेंट्रल जोन व एनआईटी जोन में सर्वे किया जा चुका है। अब एनजीओ के माध्यम से बल्लबगढ़ जोन में भी सर्वे कराया जाएगा। महिला सुरक्षा व अन्य अपराधों के मध्यनजर ई-बीट सिस्टम तैयार किया गया है। जिसके अंतर्गत हॉस्टपॉट बिन्दुओं पर संबंधित राईडर की ड्युटियां लगाई गई है। राईडर स्टॉफ द्वारा द्-ड्ढद्गड्डहल सिस्टम के अनुसार ड्युटिया की जा रही है। संबंधित थाना प्रबंधक द्वारा अपने क्षेत्र के हॉस्टपॉट बिन्दुओं पर ड्युटियों के लिए ई-बीट सिस्टम के अनुसार स्टॉफ नियुक्त किया जाता है।

फरीदाबाद-पलवल की 5 शटल ट्रेनें 10 दिन रहेंगी बंद

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। फरीदाबाद में पलवल और फरीदाबाद से सफर करने वाले दैनिक रेल यात्रियों की परेशानी बढने. वाली है। रेलवे विभाग ने 5 शटल ट्रेनें 10 दिन के लिए बंद कर दी हैं।

दिल्ली डिवीजन के शकूरबस्ती रेलवे स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग(रेलवे लाइन मरम्मत) का काम शुरू होने के कारण यह फैसला लिया गया है।

इसके अलावा तीन शटल ट्रेनें अपने गंतव्य तक नहीं जाएंगी। अर्थात उन्हें शॉर्ट टर्मिनेट कर चलाया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों की माने तो ट्रेनों का परिचालन अगले महीने 7 से 16 जनवरी 2025 तक प्रभावित रहेगा।

वहीं दूसरी ओर झांसी मंडल के संदलपुर आंतरी रेलवे स्टेशन के बीच मरम्मत का काम चलने के कारण फरीदाबाद सेक्शन से होकर आने जाने वाली तीन एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन 22 दिसंबर तक प्रभावित रहेगा।

डीएस भंडारी रेल अधीक्षक ने बताया कि शकूरबस्ती रेलवे स्टेशन पर रेलवे लाइनों की मरम्मत का काम आगामी 26 दिसंबर से शुरू हो जाएगा और 16 जनवरी 2025 चल चलेगा। ऐसे में सभी ट्रेनों को चला पाना संभव नहीं होगा।

अधिकारियों ने बताया कि शकूरबस्ती से चलकर पलवल जाने वाली 04408 शटल, 04410 शकूरबस्ती पलवल शटल, 04445 पलवल शकूरबस्ती शटल, 04915 बल्लभगढ़ शकूरबस्ती और 04421 पलवल शकूरबस्ती शटल 7 से 16 जनवरी तक नई दिल्ली के आगे कैंसिल रहेगी। जबकि 04437 पलवल शकूरबस्ती शटल 120 मिनट तक रोककर चलाया जाएगा।

अपराधों को कम करने के लिए आधुनिक तकनीक की ली जा रही सहायता : कुशलपाल सिंह

पुलिस उपायुक्त बल्लभगढ़ ने राइडर स्टाफ कर्मचारियों के साथ की मीटिंग

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। फरीदाबाद पुलिस द्वारा अपराधों को काम करने के लिए आधुनिक तकनीकी की भी सहायता ली जा रही है। इसी क्रम में राइडर पर नियुक्त ड्युटियों के लिए ई-बीट सिस्टम चलाया हुआ है, जिस संबंध में पुलिस उपयुक्त बल्लमगढ़ कुशल पाल सिंह द्वारा आज राइडर कर्मचारियों की मीटिंग ली गई। मीटिंग में उन्होंने बताया कि अपराध को कम करने के लिये फरीदाबाद पुलिस द्वारा थाना -चौकी क्षेत्र मे वाहन चोरी, छीना छपटी इत्यादि मामलो से सम्बधित हॉटस्पॉट चिन्हित किए हुए हैं और इन हॉटस्पॉट पर ई-बीट सिस्टम के अंतर्गत राईडर स्टाफ तैनात किए हुए हैं है। कर्मचारी ड्यूटी के दौरान अपनी लोकेशन स्मार्ट बीट ऐप पर अपलोड करते हैं जिसके माध्यम से ड्युटी पर नियुक्त कर्मचारीयों को ट्रैक भी किया जा सकता है। जिसके मध्य नजर पुलिस उपायुक्त बल्लबगढ़, कुशल पाल सिंह द्वारा शुक्रवार व शनिवार को राइडर पर नियुक्त पुलिस कर्मचारियों की मीटिंग लेकर उनके कार्य की समीक्षा की है तथा उनका ड्यूटी बारे ब्रीफ किया गया

फरीदाबाद में 23 से 25 दिसंबर को होगा गुर्जर महोत्सव

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। गुर्जर आर्ट एंड कल्चर के तत्वाधान में एक प्रेस वार्ता का आयोजन सेक्टर 16 गुर्जर भवन में हुआ जिसमें मुख्य रूप से गुर्जर आर्ट एंड कल्चर के अध्यक्ष दिवाकर विधूड़ी रणबीर चंदीला, जगबीर नागर, निरंजन नगर, रणदीप चौहान ,हंसराज कपासिया, सूरज घोड़ारोप, एडवोकेट राजेश खटाना आदि लोगों ने संयुक्त रूप से संबोधित किया जिसमें बताया गया कि 23 से 25 दिसंबर दिसंबर को फरीदाबाद के सूरजकुंड मेला मैदान में आयोजित होगा। जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से व विदेशों में निवास करने वाले समाज के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। गुर्जर आर्ट एंड कल्चरल ट्रस्ट की ओर से गुर्जर महोत्सव-2024 का आयोजन किया जा रहा है। इसे सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी इस कार्यक्रम में कश्मीर से कर्नाटक तक गुर्जर समाज के लोक गीत, लोक नृत्य, रहन सहन, खानपान, परिधान और आभूषण से भी परिचित कराया जाएगा। इस दौरान गुर्जर जाति की समृद्ध संस्कृति, इतिहास कला और विरासत के बारे में भी झांकी और प्रदर्शनी के जरिए जानकारी दी जाएगी। महोत्सव के दौरान विशेष आकर्षण गुर्जर सांस्कृति प्रदर्शनी, सांस्कृतिक विरासत एवं गौरवशाली इतिहास, हमारे लोक नृत्य , रागिनी कला और खानपान और व्यंजन भी प्रस्तुत किए जाएंगे। वर्ष 2023 में आयोजित गुर्जर महोत्सव का थीम हरियाणा स्टेट था इस बार स्टेट थीम उत्तर प्रदेश को बनाया गया है लोगों के सुरक्षा के लिए पुलिस बल की तैनाती और प्रशासन मुस्तैद रहेगी ऐसा हमें प्रशासन ने आश्वासन भी दिया है गुर्जर एंड आर्ट एंड कल्चर ट्रस्ट द्वारा आयोजित होने वाले मेले का शुभारंभ राजेश नागर (स्वतंत्र प्रभार) हरियाणा सरकार मुख्य अतिथि होंगे मेले में दूसरे दिन केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा पूर्व राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह सहित अन्य मुख्य अतिथि भी पधारेंगे मेले के कार्यक्रम का समापन 25 दिसंबर को केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर के साथ सत्ता और विपक्ष के गुर्जर समाज के सभी विधायक कॉरपोरेटर शिक्षाविद, एडवोकेट्स, खेल जगत से जुड़े लोग कलाकार और मंत्री तथा उद्योगपतियों को भी आमंत्रित किया गया है कार्यक्रम की सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है।

कंपनी के कर्मचारियों को जाता है 'एक्सीलेंस इन क्वालिटी अवार्ड' का श्रेय : एचके बत्रा

उद्योगपति ने अपने 97 वर्षीय दादा को समर्पित किया एक्सीलेंस इन क्वालिटी अवार्ड

समाचार गेट/जितेन्द्र सिंह

फरीदाबाद। फरीदाबाद उद्योग जगत में परफेक्ट मैन के नाम से विख्यात डा. एच.के.बत्तरा के प्रयासों को उस समय और सराहना मिली जब उनको ईटी इंस्पायरिंग लीडर्स अवार्ड सम्मान समारोह में सिने जगत के प्रमुख कलाकार अनिल कपूर ने एक्सीलेंस इन क्वालिटी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

परफेक्ट ग्रुप आफ कम्पनीज की तरफ से यह सम्मान ध्रुव बत्तरा ने प्राप्त किया। जहां उन्होंने यह अवार्ड अपने 97 वर्षीय दादा जी को समर्पित कर दिया। उल्लेखनीय है कि परफेक्ट ब्रैड देश के उन नामी गिरामी उत्पादों में शामिल है जो कि अपनी गुणवत्ता व क्वालिटी के लिए जाना जाता है। उद्योग जगत के परफेक्ट मैन डा. एच.के.बत्तरा के नेतृत्व में चल रहे इस ग्रुप आफ कम्पनीज को यूं तो विश्व स्तरीय अनेक पुरुस्कारों से नवाजा जा चुका है, लेकिन इस सम्मान में अनिल कपूर के हाथों सम्मानित होने को फरीदाबाद के उद्योग जगत के लिए एक बडा सम्मान माना जा रहा है।

उद्योग जगत ने डा. एच. के. बत्तरा को इस उपलबधि के लिए बधाई दी है तथा माना यह जा रहा है कि परफेक्ट मैन डा. बत्तरा अब उद्योग जगत के ऐसे सितारे बन गए हैं जो कि अलग-अलग रंगों से फरीदाबाद के उद्योग जगत को रोशनी दे रहे हैं। डा. एच.के.बत्तरा ने इस सम्मान का श्रेय अपने उन हजारों कर्मचारियों को दिया है जो कि दिन रात की अपनी कडी मेहनत से कम्पनी के उत्पादों की क्वालिटी को कायम रखे हुए हैं।

डा. बत्तरा ने बताया कि इस सम्मान को वह पूरी तरह से अपने कर्मचारियों को समर्पित करते हैं, क्योंकि यह उनकी कडी मेहनत का परिणाम है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि उनके संस्थान का यह प्रयास होगा कि वह लोगों को और बेहतर उत्पाद उपलब्ध करा पाएं।

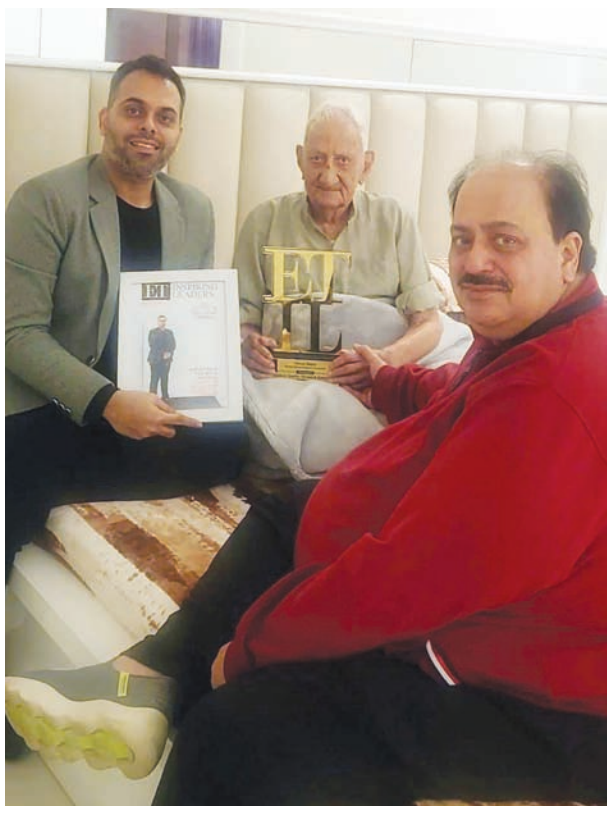

कुरुक्षेत्र में 26 दिसंबर को राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित कर मनाया जाएगा वीर बाल दिवस

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने के ऐलान पर गौर करते हुए ये फैसला किया है कि हरियाणा में वीर बाल दिवस बड़े स्तर पर मनाया जाएगा। हरियाणा सरकार ने इसकी रूपरेखा तैयार कर ली है।

मुख्यमंत्री के ओएसडी डा. प्रभलीन सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह के साहिबजादों की कुर्बानी की याद में वीर बाल दिवस मनाया जाना है। इसके तहत 26 दिसंबर को कुरुक्षेत्र में गुरद्वारा छठी पातशाही में बाल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी शिरकत कर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सभी सरकारी यूनिवर्सिटी में 26 दिसंबर को सेमीनार का आयोजन किया जाएगा, उसका विषय साहिबजादों की कुर्बानी पर आधारित होगा। इसके अलावा सभी

सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में निबंध लेखन, भाषण व पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, ताकि युवा व आने वाली पीढ़ी साहिबजादों की कुर्बानी के बारे में जान सकें। उन्होंने बताया कि पहली बार हरियाणा के सभी नेशनल हाईवे स्थित पेट्रोल पंपों पर फ्लैक्स लगाए जाएंगे, जिसमें मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी द्वारा साहिबजादों को श्रद्धा सुमन भेंट करने की तस्वीर होगी। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सरकारी इमारतों, माल व क्लिप के साथ मुख्यमंत्री का साहिबजादों की कुर्बानी के बारे में संदेश प्रसारित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि ये देश में पहली बार हो रहा है कि हरियाणा ने पहल करते हुए वीर बाल दिवस को इतने व्यापक स्तर पर मनाने का निर्णय लिया है। विश्व के सिख समाज ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का धन्यवाद किया है और आह्वान किया है कि हरियाणा सरकार के रोल मॉडल को अपनाते हुए वीर बाल दिवस को पूरे देश में मनाया जाना चाहिए।

संपादकीय

संसद की गरिमा का दांव पर लगना चिन्ताजनक

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

संविधान-निर्माता भीमराव आंबेडकर को लेकर भारतीय संसद में जो दृश्य पिछले कुछ दिनों में देखने को मिले हैं, वे न केवल शर्मसार करने वाले है बल्कि संसदीय गरिमा को धुंधलाने वाले हैं। अंबेडकर को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं। दोनों पक्षों ने गुरुवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हाथापाई भी हुई जिसमें भाजपा सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल हो गए। लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला ने सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि सभी को नियमों का पालन करना पड़ेगा। संसद की मर्यादा और गरिमा सुनिश्चित करना सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय संसद के प्रांगण में जिस तरह की अशोभनीय एवं त्रासद स्थिति का उत्पन्न हुई है, वे हर लिहाज से दुखद, विडम्बनापूर्ण और निंदनीय है। आरोप-प्रत्यारोप की वजह से परिवेश ऐसा बन गया है, मानो सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच शुद्ध शत्रुता, द्वेष, नफरत की स्थितियां उग्रतर हो गई हो। और तो और, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार जैसे आरोपों को लेकर पुलिस में मामला दर्ज होना वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। इन दुखद एवं अशालीन स्थितियों का उपचार न किया गया, तो संसद में काफी कुछ अप्रिय एवं अशोभनीय होने की आशंकाएं बलशाली होगी।

कहना न होगा कि देश की संसद लोकतंत्र के वैचारिक शिखर और देश की संप्रभुता को रेखांकित करने वाला शिखर संस्थान है। इसलिए इसकी गरिमा बनाए रखना सभी सांसदों का मूल कर्तव्य बन जाता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों से यह अपेक्षा होती है कि वे संसद की गरिमा को भंग न करे, अपना आचरण शुद्ध, शालीन एवं व्यवस्थित रखेंगे और व्यर्थ की बयानबाजी, धक्का-मुक्की, दुर्व्यवहार की जगह सार्थक बहस की संभावनाओं को उजागर करें। भारत की परंपरा कहती है कि वह सभा, सभा नहीं, जिसमें शालीनता एवं मर्यादा न हो। वह संसद संसद नहीं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा न करें। वह धर्म, धर्म नहीं, जिसमें सत्य न हो। वह सत्य, सत्य नहीं जो कपटपूर्ण हो। आज संसद में सांसदों का व्यवहार शर्म की पराकाष्ठा तक पहुंच गया है। पूरे देश की जनता ने बड़ा भरोसा जताते हुए अपने प्रतिनिधियों को चुनकर लोकसभा में भेजा है, ताकि वे सांसद के रूप में देश की भलाई के लिए नीति एवं नियम बनाएं, उसे लागू कराएं और जनजीवन को सुरक्षित तथा खुशहाल बनाते हुए देश का विकास करें। संसद की सदस्यता की शपथ लेते समय सांसदगण इन सब बातों को ध्यान में रखने की कसम भी खाते हैं, लेकिन उनकी कसम बेबुनियाद ही होते हुए संसद की मर्यादाओं को आहत कर रही है। बीते कुछ समय से धरना-प्रदर्शन के साथ सड़क पर राजनीतिक दमखम दिखाने वाले नजारे संसद के दोनों सदनों में भी दिखने लगे हैं। भौतिक रूप से छीना-झपटी और हाथापाई की नौबत भी दिखती रही है और विचाराधीन विषय से दूर एक-दूसरे को हीन साबित करना ही उद्देश्य बन गया है।

संसद का मूल्यवान समय बर्बाद हो रहा है, यह इससे स्पष्ट होता है कि पहली लोकसभा में हर साल 135 दिन बैठकें आयोजित हुई थीं। आज स्थिति कितनी नाजुक हो गई है, इसका अनुमान इसी से लगा सकते हैं कि पिछली लोकसभा में हर साल औसतन 55 दिन ही बैठकें आयोजित हुईं। नयी लोकसभा की स्थिति तो और भी दुखद एवं दयनीय है। संसद में काम न होना, बार-बार संसदीय अवरोध होना तो त्रासद है ही, लेकिन धक्का-मुक्की तक नौबत पहुंचना ज्यादा चिन्ताजनक है। कोई भी दल हो, किसी भी दल के सांसद हो, उन्हें यह संदेश देने की जरूरत है कि संसद ऐसे किसी संघर्ष का अखाड़ा नहीं है। संसद और संविधान, दोनों ही सांसदों से उच्च गरिमा एवं मर्यादाओं की अपेक्षा करते हैं। संसद देश की आवाजों और दलीलों का मंच है, यह किसी भी प्रकार की शारीरिक जोर-आजमाइश का मंच न बने, इसी में देश की भलाई है, लोकतंत्र की अक्षुण्णता है। सार्थक और उत्पादक संवाद के लिए हर सांसद को संविधान का ज्ञान, संसदीय परंपराओं की जानकारी एवं उनके प्रति प्रतिबद्धता भी होनी चाहिए। दुर्भाग्य से बहुत कम सांसद ही इस ओर ध्यान देते हैं। मुखर प्रवक्ता के रूप में विपक्ष के कई सांसद अक्सर बेलगाम, फूहड एवं स्तरहीन आरोप-प्रत्यारोप दर्ज कराने में जुट जाते हैं। आधी-अधूरी सूचनाओं या गलत जानकारी के साथ विपक्ष के नेता सरकारी पक्ष को आरोपित करने में जुट जाते हैं, बयानों तो तोड़मरोड़ का प्रस्तुत करते हैं। निश्चित ही विपक्ष लगातार अपनी जिम्मेदारी से विमुख होता दिख रहा है। वह सरकार को घेरने और आरोपित करने के उद्देश्य से संसद के कार्य में अक्सर व्यवधान डालता है। लगता है विपक्ष का मकसद यही हो गया है कि संसद की कार्यवाही सुचारु रूप से न चल सके और सरकार की विफलता दर्ज हो। इस तरह की विपक्ष की बौखलाहट का बड़ा कारण भाजपा की लगातार चमत्कारी जीत है। सांसदों को समग्रता में सोचना चाहिए कि अगर संसद जोर आजमाइश एवं हिंसा का अखाड़ा होकर बात एफआईआर की राजनीति तक बढ़ेगी, तो संसद का संचालन जटिल से जटिलतर होता जायेगा। संसद में तनाव कोई नई बात नहीं है। तनाव और तल्खी का इतिहास रहा है, पर बहुत कम अवसर ऐसे आए हैं, जब शारीरिक बल का दुरुपयोग देखा गया है। संसद भवन के प्रांगण में ही नहीं, बल्कि देश में कहीं भी सांसदों को ऐसे आमने-सामने नहीं आना चाहिए, जैसे गुरुवार को देश ने देखा है। संसद भवन के प्रांगण में जगह-जगह कैमरे लगे हैं। उन कैमरों की मदद से कम से कम यह तो सुनिश्चित करना चाहिए कि दोषी कौन है? दुध का दुध एवं पानी का पानी हो और सच सामने आये। सच की जीत हो और झूठ नैस्तनाबूद हो। अगर किसी सांसद के सिर में चोट लगी है, तो यह वैसे भी गंभीर मसला है। भाजपा सांसद सारंगी ने यही बताया है कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की वजह से एक व्यक्ति उनसे टकराया और वह गिर गए। ऐसा ही आरोप कांग्रेस ने भी लगाया है। पक्ष-विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप लगेंगे, पर ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि सच सामने आए। यदि सच सामने न आए, तो कम से कम सभी सांसद ऐसी स्थिति फिर न बनने दें, इसके लिये संकलपित हो।

अनिल विज 23 को जनता कैंप में सुनेंगे अम्बाला छावनी के लोगों की समस्याएं

समाचार गेट/ब्यूरो

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज 23 दिसंबर, सोमवार को प्रात: 10 से दोपहर 12 बजे तक अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्रवासियों की समस्याओं को सुनेंगे। गौरतलब है कि अम्बाला छावनी विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनने के लिए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने प्रत्येक माह सोमवार का दिन तय किया था जिसमें विभागीय अधिकारी भी मौके पर ही मौजूद रहेंगे ताकि लोगों की समस्याओं का निदान मौके पर ही हो सके। जनता कैंप में केवल अम्बाला छावनी के लोगों की समस्याओं को प्रात: 10 से दोपहर 12 बजे तक सुना जाएगा।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने शिक्षा मंत्री को ज्ञापन सौंपकर एनसीआर में स्कूल बसों की समयावधि 20 साल करने की मांग रखी

महापुरूषों की जयंति पर स्कूलों की छुट्टी न कर विशेष सभाओं का किया जाये आयोजन

शिक्षा नियमावली 134ए तथा चिराग योजना के तहत पढने वाले विद्यार्थियों की फीस तत्काल जारी करने का मंत्री ने दिया आश्वासन

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने हरियाणा के शिक्षा मंत्री से उनके पानीपत निवास पर मुलाकात कर विभिन्न पहलुओं पर ध्यान आकर्षण किया। प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व संगठन के प्रांतीय प्रधान रामपाल यादव ने किया। उन्होंने निजी विद्यालयों की विभिन्न समस्याओं को लेकर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा को ज्ञापन पत्र सौंपकर गहनता से विचार-विमर्श किया। पाईवेट स्कूल एसोसिएशन कनीना के अध्यक्ष जगदेव सिंह यादव ने बताया कि प्रदेश के निजी विद्यालय नई शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए पूरी निष्ठा और मेहनत के साथ गुणवत्तापरक शिक्षा के प्रचार व प्रसार पर ध्यान केंद्रीत कर रहे हैं। लेकिन निजी स्कूल संचालकों के सामने कुछ कठिनाइयां आ रही हैं। जिनका समाधान भी जरूरी है।

उन्होंने शिक्षामंत्री को बताया कि निजी विद्यालयों के सामने विद्यार्थियों को सकूल में लाने ले जाने के लिए इस्तेमाल होने वाली स्कूल बसों की एक्सपायर अवधि एनसीआर क्षेत्र में 10 वर्ष से बढ़ाकर 20 वर्ष की जाए। उनके मुताबिक स्कूल बसें सालभर में लगभग 200 दिन ही चल पाती है तथा एक स्कूल बस प्रतिदिन अधिकतम 20 से 25 किलोमीटर ही चल पाती है। जिससे उसकी फिटनेस कंडीशन अच्छी ही रहती है। प्रधान यादव ने कहा कि प्रदेश में महापुरुषों की जयंती और विशिष्ट दिवसों पर स्कूलों में छुट्टियां न करके शिक्षा विभाग के कैलेंडर में विशेष आयोजन, विद्यालय में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाए। जिससे महापुरूषों के जीवन चरित्र एवं गुणों के बारे में विद्यार्थी्यों को जागरूक किया जा सके ओर समाज में उनके बताए रास्ते पर चलने की सीख दी जा सके। संगठन के संरक्षक जवाहरलाल ने शिक्षा मंत्री से कहा कि शिक्षा नियमावली की धारा 134 ए और चिराग योजना के तहत पढ़ाए जा रहे विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति राशि स्कूलों को तुरंत जारी की जाए। जिससे विद्यार्थियों के नियमित अध्ययन में कोई बाधा उत्पन्न न हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए हरियाणा प्रदेश में संचालित अनाधिकृत कोचिंग सेंटरों व एकेडमी को तुरंत प्रभाव से बंद किया जाए। हरियाणा सोसायटी पंजीकरण एवं विनियमन विभाग द्वारा स्कूल संचालन करने वाली समितियां पर लगाए जुर्माने को तुरंत प्रभाव से समाप्त किया जाए और रिन्यू करने के लिए समयावधि बढ़ाई जाए। प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि स्थाई मान्यता प्राप्त स्कूलों को मान्यता देने के समय जो शर्त थी और जो छूट दी गई थी वह आगे जारी रखी जाए तथा कंट्रोल्ड एरिया में पहले से निर्मित स्कूल भवनों में अतिरिक्त कमरे बनाने की छूट पहले की तर्ज पर दी जाए तथा इसके लिए डीटीपी विभाग के मार्फत नई शर्ते ना थोपी जाएं। प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखी गई समस्याओं पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने जल्द ही समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने निजी विद्यालयों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्य की सराहना की। इस मौके पर संगठन के उपाध्यक्ष चैधरी रणबीर सिंह, पवन तंवर महेंद्रगढ,एसडी ग्रुप के चेयरमैन जगदेव यादव, सुमेर यादव रेवाडी,सुरेन्द्र चैहान बावल, सुरेंद्र शिवाच, अजय यादव, गुड़गांव से मनीष कुमार, मुकेश कुमार, धर्मवीर शर्मा, झज्जर से सोमबीर कोडान उपस्थित थे।

अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए ई-बीट सिस्टम के अनुसार ड्यूटी करने के लिए किया निर्देशित

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए फरीदाबाद पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है फरीदाबाद पुलिस द्वारा अपराधों को काम करने के लिए आधुनिक तकनीकी की भी सहायता ली जा रही है, इसी क्रम में राइडर पर नियुक्त ड्युटियों के लिए। ई-बीट सिस्टम चलाया हुआ है, जिस संबंध में पुलिस उपयुक्त बल्लमगढ़ द्वारा आज राइडर कर्मचारियों की मीटिंग ली गई पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध को कम करने के लिये फरीदाबाद पुलिस द्वारा थाना-चौकी क्षेत्र मे वाहन चोरी, छीना छपटी इत्यादि मामलो से सम्बधित हॉटस्पॉट चिन्हित किए हुए हैं और इन हॉटस्पॉट पर ई-बीट सिस्टम के अंतर्गत राईडर स्टाफ तैनात किए हुए हैं है। कर्मचारी ड्यूटी के दौरान अपनी लोकेशन स्मार्ट ई-बीट ऐप परढ अपलोड करते हैं जिसके माध्यम से ड्युटी पर नियुक्त कर्मचारीयों को ट्रैक भी किया जा सकता है, जिसके मध्य नजर पुलिस उपायुक्त बल्लबगढ़, कुशल पाल सिंह द्वारा शुक्रवार व शनिवार को राइडर पर नियुक्त पुलिस कर्मचारियों की मीटिंग लेकर उनके कार्य की समीक्षा की है तथा उनका ड्यूटी बारे ब्रीफ किया गया।

25 को होगी जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक: उपायुक्त

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने बताया कि 25 दिसंबर को जिला लोक सम्पर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह करेंगें। उपायुक्त ने बताया कि बैठक में कुल 15 परिवाद रखें जाएंगे जिनका मौके पर ही सामाधान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बैठक में 5 पुराने व 10 नए परिवाद रखें जाएंगे। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित शिकायत का जवाब अपने साथ स्वयं लेकर आएं और अपने किसी भी अन्य अधिकारी व कर्मचारी को न भेजे।

यातायात नियमों की उल्लंघन करने वालों के खिलाफ की जा रही है कार्यवाही

पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा स्वयं फिल्ड में उतरकर लोगों को किया जागरूक

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। यातायात पुलिस फरीदाबाद द्वारा आमजन को सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए सख्ती से कार्य किया जा रहा है। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम भी किया जा रहे हैं, इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त यातायात जसलीन कौर आईपीएस खुद फिल्ड में अपनी टीम के साथ उतर कर लोगों को जागरूक कर रही है व साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही भी करा रही हैं। पुलिस उपायुक्त यातायात द्वारा सोहना टी पॉइंट पर टी आई बल्लबगढ साथ और अजरौंदा चौक पर ऐसीपी ट्राफिक के साथ दौरा करके लोगों को जानकारी देते हुए यातायात नियमों की पालना करने बारे जागरूक किया तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्यवाही भी करवाई।

पोस्टमार्टम कर अस्पताल के फ्रीजर में 7 दिन से रखे गए शव में बन रही संक्रमण की आशंका

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। उपमंडल के गांव बागोत में 26 वर्षीय युवक मोहित द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने के आठवें दिन अंतिम संस्कार न होने को लेकर समाज के प्रबुधजनों ने चिंता व्यक्त की है। गौड सभा के पदाधिकारियों ने पीडित परिजनों से मृतक युवक का ससम्मान अंतिम संस्कार करने की अपील की है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि पीडित परिजनों की न्याय की लडाई में साथ हैं। युवक के परिजनों की ओर से पूर्व मंत्री सहित क्षेत्र के 8 व्यक्तियों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। जबकि पुलिस साक्ष्य प्रस्तुत करने की मांग रही है। साक्ष्यों के अभाव में पुलिस इत्तफाकिया कार्रवाई से आगे नहीं बढ पा रही है। बृहस्पतिवार को कनीना के एसडीएम अमित कुमार, डीएसपी दिनेश कुमार, नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल, थाना इंचार्ज मुकेश कुमार, महेद्रगढ थाना इंचार्ज युद्धवीर सिंह,कानूनगो राजसिंह,उमेद सिंह जाखड सहित अन्य कर्मचारियों ने पीडित के घर बागोत पंहुचकर परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाया। बहुत देर की कांउसलिंग के बाद भी सहमति न बन सकी। मृतक युवक का शव पिछले सात दिन से उप नागरिक अस्पताल कनीना के फ्रीजर में रखा हुआ है जिसे परिजन नहीं ले जा रहे हैं। अस्पताल स्टाफ तथा पुलिस कर्मचारी लगातार नजर बनाए हुए है। मृतक के पिता कैलाश शर्मा का कहना है कि हिंदू धर्म में व्यक्ति की मौत के 12 दिन तक शोक मनाया जाता है। उसके बाद कोई काम किया जाता है। 12 दिन बाद वे न्याय के लिए सुको की शरण में जाएगें। ईधर अस्पताल के चिकित्सकों ने पोस्टमार्टम कर रखे शव के खराब होने तथा संक्रमण की आशंका जताते हुए उच्च अधिकारियों से शीघ्र ही अंतिम संस्कार करने को कहा है। अधिकारी परिजनों को समझाने का प्रयत्न कर रहे हैं।

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा चालक प्रशिक्षणार्थियों को नशे के विरुद्ध किया जागरूक

नशामुक्त होगा हरियाणा और मिलकर सारे जोर लगाना: डॉ अशोक कुमार वर्मा

समाचार गेट/ब्यूरो

करनाल। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो प्रमुख/ पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के मार्गदर्शन में प्रतिदिन नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किए जा रहे हैं। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा प्रतिदन किसी न किसी ज़िले में नशे के विरुद्ध जागरूक कार्यक्रम करते हैं। वे आज हरियाणा राज्य परिवहन करनाल में चालक प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को नशे के विरुद्ध जागरूक कर रहे थे। कार्यक्रम 60 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में हरियाणा राज्य परिवहन करनाल से देवेंद्र कुमार और विनोद कुमार ने सहयोग किया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने प्रशिक्षणार्थियों को नशे के विरुद्ध जागरूक किया और बताया कि कोई भी नशा मनुष्य के लिए अभिशाप है। प्रतिबंधित नशे पर कुठाराघात करते हुए कहा कि यदि प्रतिबंधित नशे मनुष्य के लिए तनिक भी अच्छे होते तो सरकार इनके लिए लाइसेंस देकर ठेके खोल देती। उन्होंने बताया कि ये नशे पहले तो बाहर से आते थे लेकिन अब तो नशा तस्करी में संलिप्त अपराधियों द्वारा यहाँ भी निर्माण किया जा रहा है जो एक बहुत बड़ी चुनौती है। यद्यपि पुलिस और एनसीबी नशा मुक्त अभियान में बहुत ही अथक प्रयास कर रही है तथापि प्रत्येक व्यक्ति का जागरूक होना अति अनिवार्य है। उन्होंने ब्यूरो के हेल्पलाइन नंबर 9050891508 का वर्णन करते हुए बताया कि नशा तस्करी में संलिप्त अपराधियों की गुप्त सूचनाएं निर्भीकता से दें। कार्यक्रम के अंत में शपथ ग्रहण करवाई गयी।

'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
समाचार गेट
को TITLE CODE : HARHIN11569
आवश्यकता है
♦ हरियाणा के प्रत्येक जिले में ब्यूरो चीफ
♦ उपमंडल व ब्लॉक स्तर पर संवाददाता
♦ ग्रामीण संवाददाता ♦ फोटोग्राफर
♦ विज्ञापन प्रतिनिधि
इच्छुक युवक-युवती अपना बायोडेटा मेल करें-
samachargate@gmail.com
Cont.: 9212339503

मुंबई नाव दुर्घटना की जांच के लिए नौसेना समिति गठित, नौसेना प्रमुख द्वारा हादसे की समीक्षा

मुंबई। हाल ही में पर्यटकों को लेकर मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया से एलिफेंटा जा रही नीलकमल नाव हादसे की जांच के लिए नौसेना समिति का गठन किया गया है। नाव हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि एक लापता है। बुधवार को हुए नाव दुर्घटना की जांच के लिए नौसेना की ओर से जांच समिति का गठन किया गया है। मालूम हो कि एलीफेंटा जा रही नीलकमल नाव नौसेना की स्पीडबोट की चपेट में आने से समुद्र में डूब गई। साथ ही इस हादसे में अब तक 14 लोगों की मौत हो चुकी है। अब इस मामले की जांच के लिए नौसेना की एक कमेटी बनाई गई है।

– नौसेना प्रमुख द्वारा हादसे की समीक्षा

नाव हादसे के बाद नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी शुक्रवार को मुंबई पहुंचे। उन्होंने मृतकों और घायलों के बारे में जानकारी ली। नौसेना के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने स्पीड बोट की टक्कर को लेकर नौसेना की ओर से चल रही जांच की भी समीक्षा की। इस संबंध में अधिक जानकारी नहीं मिल सकी है। सूत्रों ने कहा कि अधिक जानकारी जल्द ही स्पष्ट हो जाएगी क्योंकि त्रिपाठी एक त्वरित दौरे के बाद दिल्ली लौट गए।

दिल्ली, जम्मू–कश्मीर स ?हित कई राज्यों में बढ़ेगी सर्दी

– मौसम विज्ञान विभाग ने कोहरे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भारत के उत्तर–पश्चिम क्षेत्रों में शीत लहर की संभावना को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। आईएमडी के अनुसार जम्मू–कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में अगले कुछ दिनों तक शीत लहर की स्थिति बनी रह सकती है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में भी घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी में 22 और 23 दिसंबर को मध्यम से घना कोहरा रह सकता है, जिससे मौसम और भी ठंडा हो सकता है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, पूर्वी राजस्थान और झारखंड में भी 22 दिसंबर तक घना कोहरा रहने की संभावना है। इस दौरान, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड और मेघालय में कड़ाके की ठंड बनी रह सकती है। आईएमडी ने आगामी दिनों के लिए लोगों से सतर्क रहने की सलाह दी है और आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। कुछ क्षेत्रों में तामपान भी गिर सकता है, इसलिए सावधानी बरतना जरूरी है। लोगों से अनुरोध किया गया है कि वे अपनी स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें और आगामी दिनों में मौसम की जानकारी नियमित रूप से जांचते रहें।

सेना की सख्ती से पिछले 1 महीने से शांत है मणिपुर, 600 दिन के बाद आई है, मणिपुर में कुछ शांति

गुवाहाटी। मणिपुर की जातीय हिंसा 600 दिन से चल रही है। पिछले 1 महीने से कुछ शांति देखने को मिल रही है। मणिपुर में सामूहिक हिंसा की कोई घटना पिछले एक माह में नहीं हुई है। कुकी और मैतई समुदाय के प्रदर्शनों पर पूरी तरह से रोक लगी है। मणिपुर राज्य में सेना द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बड़े पैमाने पर उग्रवादी संगठनों द्वारा जो हथियार उपयोग में ले जा रहे थे। सेना ने उन्हें जप्त किया है। जिन इलाकों में उग्रवाद की सबसे ज्यादा घटनाएं हो रही थी। वहां पर सेना ने विशेष अभियान चलाया है। मणिपुर में 288 कंपनियां केंद्र सरकार द्वारा तैनात की गई हैं। 40000 से अधिक सेना के जवान पूरे मणिपुर में फैल गए हैं। पहली बार बड़े पैमाने पर सेना ने एक–47 सीरीज की 20 से अधिक राइफल, एसएलआर राइफल, इंसास राइफल तथा सैकड़ो किलो आईडी बरामद करने में सफलता हासिल की है। सेना की सख्ती के बाद अब लोग खुद अपने हथियार सेना और पुलिस को सौंप रहे हैं। मणिपुर में लंबे समय के बाद शांति देखने को मिली है।

चीमा की बेटी की शादी में शामिल हुए राहुल गांधी

चंडीगढ़ । कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शुक्रवार को वरिष्ठ अधिवक्ता की बेटी की शादी में शामिल हुए। राहुल गांधी दोपहर चंडीगढ़ पहुंचे और पार्टी की चंडीगढ़ इकाई के अध्यक्ष हरमोहिंदर सिंह लक्की ने उनकी अगवानी की। लक्की ने बाद में बताया कि राहुल गांधी चंडीगढ़ के बाहरी इलाके में पंजाब के मोहाली जिले के एक रिसॉर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ता आर एस चीमा की बेटी की शादी में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि पंजाब के पूर्व महाधिवक्ता चीमा ने राहुल गांधी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि चीमा की बेटी की शादी थी और गांधी उसमें शामिल होने यहां आए थे। उन्होंने कहा कि शादी में शामिल होने के बाद कांग्रेस नेता दिल्ली लौट गए।

लीबिया में भारतीय कामगारों के समूह से संपर्क में भारतीय दूतावास

नई दिल्ली । भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि त्रिपोली स्थित भारतीय दूतावास लीबिया में भारतीय कामगारों के एक समूह की स्थिति पर 'करीब से नजर रखे हुए है' और उनकी वापसी के लिए काम कर रहा है, जो बिना उचित दस्तावेजों के साथ उस देश में गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से उन भारतीय कामगारों के बारे में सवाल पूछा गया था जो लीबिया में एक सीमेंट कंपनी में काम रह रहे हैं और भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। जायसवाल ने कहा कि कामगारों के लिहाज से निकास परमिट की व्यवस्था करने के लिए हमारा दूतावास लीबिया के अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने कहा, ''ये भारतीय कामगार दुबई के रास्ते बेंगाजी पहुंचे थे। वे वहां गए थे, लेकिन उनके पास उचित दस्तावेज नहीं थे। जब वे उतरे, तब उनके काम को लेकर कुछ समस्याएं थीं... हमें इन कठिनाइयों के बारे में पता चला... त्रिपोली में हमारा दूतावास सक्रिय है। हमने वहां अपने समुदाय के माध्यम से अपने कामगारों से संपर्क किया।''

अब वे बाबा साहेब को छोटा कर राहुल गांधी के बराबर करना चाहते हैं

–बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने नेता प्रतिपक्ष पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। डॉ. भीमराव आंबेडकर के अपमान को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने सामने हैं। वहीं बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने अराजकता फैलाई, वह आज आंबेडकर बनना चाहते हैं। गिरिराज ने कहा कि शायद किसी को यह गलतफहमी हो जाएगी कि राहुल गांधी आंबेडकर हो गए। जिस कांग्रेस का डीएनए भीमराव आंबेडकर को अपमानित करने का रहा है, वह उस पाप को कैसे धो पाएगा।

गिरिराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस ने जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को भारत रत्न दे दिया, लेकिन बाबासाहेब को नहीं दिया। वहीं, अब वे लोग बाबा साहेब आंबेडकर को छोटा कर राहुल गांधी के बराबर करना चाहते हैं। राहुल की तुलना बाबा साहेब से करना निंदनीय है और इसके लिए उन लोगों को माफी मांगनी चाहिए। वहीं बीजेपी के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा कि सभी को संसदीय परंपराओं का पालन करना चाहिए, यह सभी का धर्म है। विपक्ष ने संसदीय परंपराओं का जितना उल्लंघन किया है, इससे उनको बचना चाहिए। आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के इस बयान पर कि कुछ लोग मंदिर-मस्जिद का मुद्दा उठाकर हिंदुओं को बड़े नेता बनना चाह रहे हैं, जो किसी भी हालत में स्वीकार नहीं है, दिनेश शर्मा ने कहा कि ऐसा वक्तव्य उन्होंने पहले भी दिया है। उनका मंतव्य यह है कि हम अपने धर्म का पालन करते समय अन्य मान्यताओं के अनुपालन से आगे बढ़ें और देश को अच्छे वातावरण और उन्नति की ओर ले जाएं। उन्होंने कहा कि मैंने मोहन भागवत का वक्तव्य अभी नहीं सुना, लेकिन सभी लोग एक-दूसरे की आस्था का सम्मान करें। साथ ही देश की तरक्की के लिए आगे आएं। यही सभी लोगों की इच्छा होती है।

सोरोस से मिलने को लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने शशि थरूर को दिया जवाब

कहा–उस समय में राजपूत था और डिनर में मेहमानों की सूची थरूर ने दी थी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने 15 दिसंबर को कहा था कि मैं सोरोस से हरदीप पुरी के अमेरिका स्थित घर में मिला था। इसका जवाब देते हुए केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि मैं उस वक्त राजदूत था। शशि थरूर यूपीए सरकार में विदेश राज्य मंत्री थे। मुझे डिनर में मेहमानों की सूची उन्होंने ही दी थी। दरअसल, 8 दिसंबर को बीजेपी ने गांधी परिवार पर अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस के फाउंडेशन से फंड लेने का आरोप लगाया था। साथ ही कहा था कि भारत विरोधी सोरोस और कांग्रेस मिलकर भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करना चाहते हैं। इसके बाद एक्स पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर का 2009 का पोस्ट वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने लिखा– पुराने मित्र सोरोस से मुलाकात हुई। वे एक निवेशक ही नहीं, बल्कि दुनिया की चिंता करने वाले नागरिक भी हैं। थरूर ने अपनी इसी पोस्ट का जवाब देते हुए 15 दिसंबर को कहा था कि ये मुलाकात हरदीप पुरी (अब केंद्रीय मंत्री) के घर हुई थी। वे सिर्फ सोशल सेंस में मेरे दोस्त थे। मैंने उनसे एक रुपए भी नहीं लिया। इस पोस्ट के बाद मैं एक बार और उनसे मिला था। यह मुलाकात हरदीप पुरी के घर पर डिनर पार्टी में हुई थी।

प्रियंका गांधी वाड्रा की लोकसभा सदस्यता खतरे में, केरल हाईकोर्ट पहुंची नव्या हरिदास

*** चुनावी हलफनामे में जानकारी छुपाने का आरोप**

कोच्चि (एजेंसी)। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा की लोकसभा की सदस्यता खतरे में हैं। दरअसल, वायनाड लोकसभा सीट पर उनकी जीत को चुनौती देकर बीजेपी नेता नव्या हरिदास ने केरल हाईकोर्ट पहुंच गई है।

नव्या हरिदास ने वायनाड से बीजेपी के टिकट पर प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ चुनाव लड़ा था, लेकिन वे प्रियंका गांधी से 5,12,399 वोटों से हार गई थीं। वे सीपीआई के सत्यन मोकेरी के बाद तीसरे स्थान पर रहीं। केरल हाईकोर्ट के समक्ष अपनी याचिका में, नव्या ने तर्क दिया है कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपना नामांकन पत्र दाखिल करते समय, उनके और उनके परिवार के स्वामित्व वाली विभिन्न संपत्तियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी छिपा दी थी।

हरिदास के अनुसार, प्रियंका गांधी ने मतदाताओं की पसंद को प्रभावित करने के इरादे से मतदाताओं को गुमराह किया, गलत जानकारी देकर अंधेरे में रखा। याचिका में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कई मौकों पर मतदाताओं पर

अनुचित प्रभाव डाला और कानून का उल्लंघन किया।

कुल 4.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति

बता दें कि प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने चुनावी हलफनामे में बताया था कि उनके पास कुल 4.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है, जबकि कुल अचल संपत्ति 13.89 करोड़ रुपये की है। वहीं प्रियंका ने बताया था कि उनके पति रॉबर्ड वाड्रा के पास कुल 37.91 करोड़ रुपये की चल संपति है। इस चुनावी हलफनामे के मुताबिक प्रियंका गांधी पर करीब 15 लाख 75 हजार रुपये का कर्ज है।

आंबेडकर पर शाह के बयान के विरोध में बसपा की 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करेगी

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर संसद में जो बयान दिया है उससे सर्वसमाज के लोग काफी उद्वेलित और आक्रोशित हैं और पार्टी शाह के बयान के विरोध में 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करेगी। मायावती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी।

उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, ''देश के दलित, वंचित व अन्य उपेक्षितों के आत्म-सम्मान व मानवीय हकूक के लिए अति-मानवतावादी व कल्याणकारी संविधान के रूप में असली ग्रंथ के रचयिता बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर भगवान की तरह परमपूजनीय हैं। अमित शाह ने उनका अनादर किया है जिससे लोग आहत हैं।'' बसपा प्रमुख ने पोस्ट में लिखा, ''ऐसे महापुरुष के बारे में शाह की संसद में टिप्पणी से पूरे देश में सर्वसमाज के लोग काफी उद्वेलित, आक्रोशित व आन्दोलित हैं। बसपा ने शाह से अपना बयान वापस लेने व पश्चाताप करने की मांग की है, जिसपर अभी तक अमल नहीं किया गया है।'' बसपा नेत्री मायावती ने कहा कि पार्टी ने अपनी मांग को लेकर 24 दिसंबर को देशव्यापी आंदोलन करने का फैसला किया है। उस दिन देश के सभी जिला मुख्यालयों पर शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी निशाना साधा और कहा कि अगर कांग्रेस, भाजपा आदि दल बाबा साहेब का दिल से आदर-सम्मान नहीं कर सकते तो उन्हें उनका अनादर भी न करना चाहिए। गौरतलब है कि मंगलवार को संविधान पर राज्यसभा में बहस का जवाब देते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था, ''अभी एक फैशन बन गया है... आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर, आंबेडकर। इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।'' शाह के इस बयान के लिए तीखी आलोचना हो रही है।

पोते की कस्टडी के लिए दादी ने लगाई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका

बेंगलुरु (ईएमएस)। इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या के बाद 4 वर्षीय पोते के लिए दादी ने कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इस याचिका के माध्यम से दादी ने बहू निकिता सिंघानिया से पोता दिलाने की मांग की है। अभी तक उनकी बहू ने उनका पोता कहां है, इसकी सही जानकारी नहीं दी है। ना ही उनके परिवार को बच्चों को सौपा है। जिसके कारण उन्होंने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की है। बहू निकिता ने पुलिस को जांच के दौरान बताया है। बच्चे को फरीदाबाद के एक बोर्डिंग स्कूल में दाखिल कराया गया है। बच्चों की देखरेख उसके चाचा सुशील सिंघानिया कर रहे हैं। सुशील ने इस जानकारी को झूठा बताया है। बच्चे के बारे में अनिभीज्ञता जताई है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति और कोटेश्वर सिंह की खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश, हरियाणा और कर्नाटक सरकारों को मामले पर सही स्थिति स्पष्ट करने के लिए नोटिस जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 7 जनवरी को रखी गई है। आत्महत्या करने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष के भाई की ओर से दर्ज एफआईआर पर निकिता और उसके परिवार के अन्य सदस्यों को 16 दिसंबर को बेंगलुरु पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सभी गिरफ्तार आरोपियों पर आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है।

संजय राउत ने दिए संकेत, बीएमसी चुनाव अपने दम पर लड़ सकती है शिवसेना यूबीटी

इसका मतलब ये नहीं कि महाविकास अघाड़ी टूट गई

मुंबई (एजेंसी)। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद परिसर में हुए धक्काकांड को लेकर सियासत जारी है। इस बीच शिवसेना यूबीटी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत का बयान आया है। राउत ने धक्काकांड के बाद चोटिल सांसदों को लेकर कटाक्ष किया है। राउत ने कहा कि भाजपा सांसद अस्पताल में लेटकर कितना अच्छा अभियन करते हैं। इस दौरान राउत ने संकेत दिया है कि ठाकरे की शिवसेना बीएमसी का चुनाव अकेले लड़ सकती है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के मामलों (भाजपा की शिकायत और कांग्रेस की शिकायत) को अपराध शाखा को सौंपने पर राउत ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी सरकार मामले को ईडी और एफबीआई को दे सकती है, क्योंकि वे कुछ भी कर सकते हैं, वे फर्जी मामले दर्ज करते हैं। यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं की मांग है कि शिवसेना को मुंबई नगर निगम (बीएमसी) का चुनाव अपने दम पर लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के बाद उद्धव ठाकरे फैसला ले सकते है। इसका मतलब यह नहीं कि महाविकास अघाड़ी टूट गई है। इससे पहले जब हम बीजेपी के साथ थे तब भी हम अलग-अलग चुनाव लड़ चुके हैं।

उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने अर्बन नक्सल वाले बयान पर सीएम देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि फडणवीस झूट बोलते हैं। लेकिन हाथ में कागज लेकर झूठ बोलना यह फडणवीस की आदत है। उन्होंने सदन में झूठ बोला है। राउत ने कहा कि वे अर्बन नक्सल की बात करते हैं, लेकिन भारत छोड़ो यात्रा में सभी समाज के लोग शामिल थे। लेकिन इनका कहना है कि काठमांडू में मीटिंग हुई, तब यह पीएम का फेल्योर है।

सांसदों के बीच धक्कामुक्की मामले में एसआईटी का गठन, जांच ने पकड़ी गति

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद में हुए धक्का-मुक्की मामले की जांच गति पकड़ने लगी है। मामले को पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन से दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच को ट्रांसफर किया है। इसकी जांच अब क्राइम ब्रांच की चाणक्यपुरी स्थित आईएससी यूनिट करेगी।

यह पूरा मामला संसद परिसर में सांसदों के बीच धक्कामुक्की का है, इसमें बीजेपी के दो सांसद प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत घायल तक हो गए थे। दोनों का इलाज आरएमएल अस्पताल में चल रहा है। इस मामले की संजीदगी और गंभीरता को देखकर क्राइम ब्रांच की एक एसआईटी टीम का गठन किया गया है।

जांच में दो एसीपी भी शामिल

क्राइम ब्रांच की एसआईटी की टीम में 2 एसीपी, 2 इंस्पेक्टर और 3 सब इंस्पेक्टर शामिल है। जो सीधे डीसीपी को रिपोर्ट करने वाले है। इस मामले की जांच में 2 एसीपी को एसआईटी में इसलिए शामिल किया गया है कि क्योंकि मामला पॉलिटिकली हाई प्रोफाइल है।

अमूमन देखा गया है कि पॉलिटिकल हाई प्रोफाइल मामले हमेशा दिल्ली पुलिस की आईएससी क्राइम ब्रांच यूनिट को ही जांच दी जाती है। सूत्रों की मानें पार्लियामेंट एडमिस्ट्रेशन को सीसीटीवी फुटेज के लिए लेटर लिखा जाएगा, जिसमें घटना से जुड़ी जांच के लिए सीसीटीवी फुटेज काफी मायने रखती है।

बता दें कि दिल्ली पुलिस ने बीएनएस की धारा 115 यानी स्वेच्छा से चोट पहुंचान, धारा 117 यानी स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाना, धारा 125 यानी दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने का काम, धारा 131 यानी आपराधिक बल का प्रयोग, धारा 351 यानी आपराधिक धमकी और धारा 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। राहुल गांधी को मामले में पूछताछ के लिए बुलाया जा सकता है।

साइबर ठगी में महत्वपूर्ण होते हैं शुरुवाती दो से तीन घंटे, इस दौरान की शिकायत, पैसा मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आपके साथ साइबर ठगी हुई है, और आप तीन से चार दिन बाद शिकायत करने जाते हैं, तब बहुत कम उम्मीद है कि आपका रुपया आपको मिल जाए। लेकिन सच ये हैं कि ठगी होने के एक से तीन घंटे महत्वपूर्ण घंटे होते हैं। अगर इस समय आप ठगी की शिकायत करते हैं, तब आपसे ठगी की रकम आपको वापस मिलने की उम्मीद बढ़ जाती है। अगर आपको लगता है कि आप साइबर ठगी का शिकार हो गए हैं, तब आप सबसे पहले नेशनल साइबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर के इस रिपोर्ट करें।

अपने पास इससे जुड़े हर तरह के सुबूत को एकत्रित कर के रखिए। अगर 1930 पर फोन नहीं उठता है, तब साइबर क्राइम की वेबसाइट पर रिपोर्ट करें। जानकार ने बताया कि जागरुकता के अभाव में आजकल लोगों के साथ तेजी से स्कैम हो रहे हैं। लोग अनजाने में ऐसी लिंक पर क्लिक कर देते हैं या इसतरह के एप डाउनलोड कर लेते हैं और फिर उनका सारा निजी डाटा अपराधियों के पास आ जाता है। इसलिए किसी भी लिंक या एप को डाउनलोड करने से पहले ये जरूर जांच ले कि वहां लिंक सही है भी या नहीं। जानकार ने कहा कि जब भी वे शेयर मार्केट में निवेश करें तब सेबी से पंजीकृत एप्लीकेशन का ही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि मार्केट में इसतरह के शेयर मार्केट से बहुत सारे फर्जी एप्लीकेशन हैं जो लोगों के निवेश किए गए रुपयों की ठगी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजकल फोन पर पार्ट टाइम नौकरी के बहुत सारे संदेश आते हैं, जिसमें लिखा होता है घर बैठे 20 से 30 हजार कमाओ।

ये मैसेज केवल ठगी के लिए होते हैं। इसलिए इस तरह के मैसेज पर दी गई किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। उन्होंने कहा कि गूगल पर जब भी किसी वेबसाइट को सर्च करे, तब सबसे पहले स्पांसर्ड वेबसाइट आती है, ये स्पांसर्ड वेबसाइट अधिकतर जालसाजों की ओर से तैयार की गई हैं, जो हुबहू मूल वेबसाइट की तरह लगेंगी। इसलिए वेबसाइट सर्च करने के बाद आख मूंद कर वेबसाइट पर क्लिक करने से पहले देख ले कि कहीं ये स्पांसर्ड नहीं है।

आजकल बहुत सारे लोगों को काल आता है कि आपके नाम से एक पार्सल मिला है, जिसमें ड्रग्स, फर्जी पासपोर्ट, फर्जी सिम मिले हैं और कॉल करने वाला अपने आपको पुलिस, सीबीआई, ईडी या अन्य जांच एजेंसी का अधिकारी बन के वीडियो कॉल करता है। आप कॉल से इतने डर जाते हैं कि एक-एक करके जालसाजों द्वारा मांगी जा रही जानकारियों को उनसे साझा करते हैं। फिर वे आपसे ही मांगी गई जानकारी से आपको गिरफ्तारी का वारंट दे देता है और दो से तीन दिन डिजिटल अरेस्ट कर के रखता है। यानी अपराधी आपको वीडियो कॉल बंद नहीं करने देता है और न ही किसी को फोन करने की अनुमति देता है। इस बीच वहां आपसे आपकी जमा पूंजी दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कराकर आपसे ठगी कर लेता है। सभी को ये जानना बहुत जरूरी है कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कोई कानून नहीं है। जब भी कभी ऐसा हो तब आप घबराएं नहीं और इसतरह के नंबरों को ब्लॉक कर दें या फोन काट दें। आपकी जागरुकता ही आपको इस तरह की ठगी से बचा सकती है।

दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट फ्लाईवे पर टोल टैक्स बंद, सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली ।

दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट (डीएनडी) फ्लाईवे पर टोल टैके स नहीं लगेगा। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। एक याचिका के आधार पर जिसमें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ जायजा लिया गया था। याचिका के अनुसार इलाहाबाद हाई कोर्ट के 2016 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें फ्लाईवे को टोल फ्री करने का सुझाव दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा प्राधिकरण उत्तर प्रदेश और दिल्ली की सरकारों को भी फटकार लगाई, क्योंकि वे अवैध रूप से इस परियोजना को नोएडा टोल ब्रिज कंपनी लिमिटेड (एनटीबीसीएल) को सौंप दिया था। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां ने कहा कि टोल वसूलने की कोई वजह नहीं है और एनटीबीसीएल को लागत से अधिक धन वसूलने की अनुमति नहीं है। उन्होंने टॉल वसूलने की प्रक्रिया पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि एनटीबीसीएल ने जनता की पीड़ा के बदले अनुचित लाभ हासिल किया। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के आरोपों के साथ एनटीबीसीएल के साथ अनुबंध को भी मंजूरी दी, जिसके तहत एनटीबीसीएल ने परियोजना की लागत से कहीं अधिक धन वसूला था। कोर्ट ने कहा कि यह तब तक संभव नहीं था जब तक राज्य सरकारों और नोएडा के अधिकारियों की मिलीभगत न होती, जिन्होंने अनुबंधीय दायित्वों को नजरअंदाज किया। इस नई फैसले के साथ, दिल्ली-नोएडा डायरेक्ट फ्लाईवे को टोल-फ्री घोषित कर दिया गया है, जिससे लोगों को सड़क यातायात में अधिक सुविधा होगी।

भारतीय सीमेंट इंडस्ट्री को 2025 में मजबूती की उम्मीदः रिपोर्ट

- अक्टूबर-नवंबर के दौरान सीमेंट इंडस्ट्री में सालाना आधार पर 3-5 प्रतिशत की वृद्धि हुई

मुंबई ।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) ने जारी की गई रिपोर्ट में बताया कि भारतीय सीमेंट इंडस्ट्री को वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में मजबूत सुधार देखने की उम्मीद है। इसमें मांग, सरकारी पूंजीगत व्यय में उछाल और रियल एस्टेट तथा आवास क्षेत्रों में निरंतर गति का भी जिक्र है। रिपोर्ट के अनुसार अक्टूबर-नवंबर 2024 के दौरान सीमेंट इंडस्ट्री में सालाना आधार पर 3-5 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो दौरानिक चुनौतियों के बावजूद बेहतर हासिल हुई। नवंबर में भी 20-22 प्रतिशत की शानदार वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही के लिए रिपोर्ट में मात्रा में 8-9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान दिया गया है। वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत के दौरान भी मजबूत रहने की उम्मीद है। इस सेक्टर में अंबुजा सीमेंट्स (एसीईएम) ने अपना सर्वोच्च

पसंद दर्ज कराया है। सीमेंट की कीमतें नवंबर में मासिक आधार पर काफी हद तक स्थिर रहीं। इस समय ईंधन की कम कीमतों से वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में सीमेंट स्प्रेड में 25-30 रुपये प्रति टन की वृद्धि की उम्मीद है। इसके साथ ही प्रति टन एबिटा में 23 प्रतिशत की वृद्धि का भी अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय सीमेंट क्षेत्र मजबूत मांग बुनियादी ढांचे और बेहतर लागत संरचनाओं के साथ संरचनात्मक रूप से लचीला बना रहेगा। इसका मतलब है कि सीमेंट इंडस्ट्री के आगे के दिनों में नए दौर की शुरुआत होने की उम्मीद है।

कैबिनेट समिति ने कोपरा का एमएसपी बढ़ाकर 12,100 रुपए प्रतिक्विंटल किया

- किसानों को कोपरा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित मिलेगा

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने किसानों के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। आर्थिक मामलों पर कैबिनेट समिति ने 2025 विपणन सत्र के लिए उचित औसत गुणवत्ता वाले मिलिंग कोपरा और बॉल कोपरा के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बड़ी वृद्धि की है। इस फैसले के अनुसार, मिलिंग कोपरा का एमएसपी 11,582 रुपये प्रति क्विंटल और बॉल कोपरा का एमएसपी 12,100 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है। यह निर्णय न केवल नारियल उत्पादकों को बेहतर लाभ पहुंचाएगा, बल्कि किसानों को कोपरा उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित भी करेगा। मूल्य समर्थन योजना के तहत केन्द्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से कोपरा और छिलका रहित नारियल की खरीद की जाएगी। इसका मुख्य उद्देश्य है कि किसानों को अच्छे मूल्य मिलें और वितरण में समाज के कमजोर वर्गों को सस्ती कीमत पर लाभ पहुंचाया जा सके। केंद्र सरकार किसानों के लिए धान, मोटे अनाज और गेहूं के मूल्य समर्थन भी प्रदान कर रही है। निर्धारित विनिर्देशों के अनुसार सभी खाद्य अनाज को सार्वजनिक खरीद एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। इसके साथ ही किसानों को उनकी उपज को एफसीआई/राज्य एजेंसियों को एमएसपी पर या खुले बाजार में बेचने का विकल्प भी उपलब्ध होगा। इस नए निर्णय से किसानों को अधिक उत्साह मिलेगा और उन्हें अधिक लाभ पहुंचेगा। यह सरकार के पक्षपात और किसानों के हित के दरमियान संतुलन स्थापित करेगा।

भारत की फार्मा इंडस्ट्री मात्रा के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने बताया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि भारत की फार्मा इंडस्ट्री मात्रा के हिसाब से दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इंडस्ट्री है। इतना ही नहीं वित्त वर्ष 2023-24 में फार्मास्युटिकल बाजार का मूल्य 50 बिलियन डॉलर हो गया है। राज्यसभा में लिखित उत्तर में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में फार्मास्युटिकल मार्केट का घरेलू उपभोग मूल्य 23.5 बिलियन डॉलर और निर्यात मूल्य 26.5 बिलियन डॉलर रहा। यह उत्पादन के मूल्य के मामले में भी 14वें स्थान पर है, जिसमें जेनेरिक दवाएं, बल्क ड्रग्स, ओवर-द-काउंटर दवाएं, टीके, बायोसिमिलर और बायोलॉजिक्स शामिल हैं।

राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2024 के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए स्थिर मूल्यों पर फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय और बोटैनिकल प्रोडक्ट के लिए कुल उत्पादन 4,56,246 करोड़ रुपये है, इसमें से 1,75,583 करोड़ रुपये वैल्यू एडेड है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान फार्मास्यूटिकल्स, औषधीय और बोटैनिकल प्रोडक्ट उद्योग में 9,25,811 लोग लगे हुए थे। इस बीच, राज्य मंत्री ने बताया कि फार्मास्यूटिकल्स विभाग ने राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में सात राष्ट्रीय फार्मास्यूटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (एनआईपीईआर) स्थापित किए हैं। ये संस्थान स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट की शिक्षा प्रदान करते हैं, साथ ही विभिन्न फार्मा विशेषज्ञताओं में उच्च स्तरीय शोध भी करते हैं। इसके अलावा, विभाग ने फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों में रिसर्च, विकास और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय नीति भी तैयार की है।

तीसरी तिमाही के नतीजे कमजोर होने की आशंका से शेयर बाजार में घबराहट

5 दिन में 4092 अंकों की गिरावट से शेयर बाजार आईसीयू में

मुंबई ।

दिसंबर माह में समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के कमजोर नतीजे को लेकर शेयर बाजार का ब्लड प्रेशर बढा हुआ है। दिसंबर माह में शेयर बाजार की जो स्थिति है। वह जुलाई और सितंबर तिमाही के नतीजे के कारण है। जब दिसंबर में समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के नतीजे आएंगे। तब शेयर बाजार में और भी बड़ी उथल-पुथल होने की संभावना आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा जताई जा रही है। जिस तेजी के साथ शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिल रही है। उसका सिलसिला जल्द थमेगा, ऐसा दिखता नहीं है सिर्फ 5 दिनों में शेयर बाजार में 4092 अंक की गिरावट आई है। हाल ही के महीने में जो आर्थिक आंकड़े सामने आ रहे हैं। वह जीडीपी के हों, या महंगाई के सभी ओर से नकारात्मक आंकड़े मिल रहे हैं।

डॉलर के मुकाबले रुपया बहुत कमजोर हो चुका है। आयातित सामान मे अब और ज्यादा पैसा भारत को खर्च करना पड़ेगा। जिसके कारण भारत में महंगाई बढ़ने की आशंका बन गई है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार लगभग 6 माह तक शेयर बाजार की यही स्थिति बनी रह सकती है। केंद्र सरकार के बजट आने के बाद और केंद्र सरकार द्वारा इस स्थिति से निपटने के लिए कौन से प्रयास किये जा रहे हैं। उसको देखने के बाद ही शेयर बाजार के बारे में कुछ कहा जा सकता है। आर्थिक विशेषज्ञों की माने, तो अभी शेयर बाजार भगवान भरोसे है।इस तरह की गिरावट इसके पहले कभी नहीं देखी गई। बिकवाली और आर्थिक मंदी के कारण शेयर बाजार का ब्लड प्रेशर बढ़ा हुआ है। आने वाले दिनों में शेयर बाजार में कुछ भी हो सकता है। इसका असर बैंकों और बीमा क्षेत्र में भी पडने की संभावना जताई जा रही है।भारत की आर्थिक स्थिति 2008 की अमेरिका की आर्थिक मंदी जैसी स्थिति में पहुंचती हुई दिख रही है। जिसके कारण आर्थिक जगत में घबराहट मची हुई है।

गूगल ने 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की

- कंपनी की परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए लिया फैसला

नई दिल्ली । सीईओ सुंदर पिचाई ने गूगल में 10 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की है। इसका उद्देश्य संगठनात्मक पुनर्गठन कर कंपनी की परिचालन दक्षता को बढ़ाना है। यह पहली बार नहीं है जब गूगल ने ऐसा कदम उठाया है। इस बार कंपनी ये छंटनी मैनेजमेंट रोल से कर रही है। उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य प्रोडक्टिविटी बढ़ाना है। पहले गूगल ने 6 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी की थी। इन परिवर्तनों के साथ तकनीकी दिग्गज उत्पादकता में सुधार के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश के तरीके और संचालन को अधिक अनुकूलित करने की खोज कर रहे हैं। गूगल का रीस्ट्रक्चर, दूसरे तकनीकी दिग्गजों को भी प्रेरित कर रहा है। इस नए दौर में गूगल की योजनाएं अदभुत उच्चतम तकनीकी मानकों को अपनाने के लिए दरारबंदी को पुनर्योजित करने की ओर बढ़ रही है।

टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पीछे छोड़ा जोमैटो ने

मुंबई । फूड डिलीवरी एग्रीगेटर जोमैटो ने टाटा मोटर्स और बजाज ऑटो को पछाड़ दिया है। जोमैटो 30 कंपनियां वाली सूची में 27 नंबर पर पहुंच गई है। इन दोनों दिग्गज कंपनियों से जोमैटो का मार्केट कैप बड़ा हो गया है।जोमैटो 2.78 लाख करोड रुपए मार्केट कैप की कंपनी बन गई है। टाटा मोटर्स का मार्केट कैप बीएसई में 2.73 लाख करोड़ का है। वही बजाज ऑटो का 2.50 लाख करोड़ का है। 30 शेयर वाली सूची में जोमेटो शामिल हो जाएगी। वहीं 30 शेयर वाली सूची से जेएसडब्ल्यू स्टील बाहर हो जाएगी। 2024 में जोमैटो के शेयर में लगातार तेजी देखने को मिली। निवेशकों का निवेश दोगुना से ज्यादा हो गया है। 2023 में 124 रूपये के शेयर में 135 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है।जुलाई 2008 में यह कंपनी बनी थी। 5 दिसंबर 2024 को इस कंपनी का शेयर 304.50 पैसे पर पहुंच गया। मार्केट कैप के हिसाब से यह कंपनी 27 वें नंबर पर आ गई है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में टैक्स समेत कई मुद्दों पर हो सकता है फैसला

148 वस्तुओं पर लगने वाले जीएसटी दरों पर किया जा रहा विचार

नई दिल्ली । राजस्थान में आयो जित जीएसटी काउंसिल की 55वीं बैठक में देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 148 वस्तुओं पर लगने वाले जीएसटी दरों पर विचार किया जा रहा है। इस बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ कई राज्यों के मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री भाग ले रहे हैं। बैठक में हुए अहम फैसले के चरण पर, हेल्थ और लाइफ इंश्योरेंस प्रेमियम पर जीएसटी माफ किया जा सकता है। इससे 5 लाख रुपए तक के हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर जीएसटी की हावी भारी गिरावट संभावित है। इसके साथ ही प्रीमियम और लग्जरी चीजों के लिए अलग से टैक्स स्लैब भी तैयार किए जा सकते हैं। इस बैठक में उपयोग होने वाले फ्यूल एटीएफ और खाद्य सेवा प्लेटफॉर्मों के लिए भी निर्णय करने की संभावना है। उम्मीद है कि इन फैसलों से अर्थव्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन की ताकत लौटेगी।

सारी दुनिया के देशों के शेयर बाजार में हाहाकार

- सोने-चांदी और क्रिप्टो करेंसी में भी गिरावट

नई दिल्ली ।

अमेरिकी फैड रिजर्व ने अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती करने का अनुमान जताया है। उसके बाद से दुनिया भर के शेयर मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है। विदेशी निवेशकों ने विशेष रूप से भारत के शेयर बाजार से भारी मात्रा में बिकवाली शुरू कर दी है। लगातार पांचवें दिन शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। साप्ताहिक अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार को 1100 अंकों की गिरावट के साथ बाजार बंद हुआ। लगातार 5 दिन शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। निवेशको को लगभग 12 लाख करोड रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है। अमेरिकी फैड रिजर्व के सख्त रुख के कारण भारतीय बाजार में बिकवाली का दबाव बना हुआ है। जिसके कारण बीएसई और निफ्टी में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। भारतीय शेयर बाजार में बैंकिंग और रियल स्टेट के निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार बैंकिंग और आईटी जैसे शेयर में मुनाफा वसूली का दौर देखने को मिल रहा है। बैंकिंग और आईटी के शेयर में निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार अगले सप्ताह भी गिरावट देखने को मिल सकती है।आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है वैश्विक आर्थिक मंदी को देखते हुए अनिश्चितता का वातावरण बना रहेगा 20 जनवरी को अमेरिका में जब राष्ट्रपति पद की डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेंगे। उसका असर भी अर्थव्यवस्था में पड़ना तय माना जा रहा है।

सेंसेक्स और निफ्टी में पांच फीसदी गिरावट रही

▸▸ सेंसेक्स 1,176 अंक टूटकर 78,041.59 पर बंद

▸▸ निफ्टी 364 अंक फिसलकर 23,587.50 पर बंद

मुंबई ।

घरेलू इक्विटी बाजारों में लगातार चार सप्ताह की तेजी के बाद पहली बार साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई है। फेडरल रिजर्व द्वारा अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती की संभावना जताने और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। दोनों सूचकांक पिछले 5 कारोबारी सत्र में नुकसान में रहे, जो निफ्टी का 18 नवंबर, 2024 के बाद और सेंसेक्स का 26 अक्टूबर, 2023 के बाद गिरावट का सबसे लंबा सिलसिला रहा। इस हफ्ते सेंसेक्स 5 फीसदी और निफ्टी 4.7 फीसदी नुकसान में रहे, जो 17 जून, 2022 के बाद सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट है। बीते सप्ताह पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 215.59 अंक की गिरावट के साथ 81,917.53 अंक पर खुला और 384.55 अंक गिरकर 81,748.57 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 49.45 अंक फिसलकर 24,718.85 अंक पर खुला और 100.05 अंक की गिरावट के साथ 24,668.25 अंक पर आ गया। अमेरिकी फेड के ब्याज दर निर्णय से पहले निवेशकों के सतर्क रुख और रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली के बीच मंगलवार को शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स 617.83 अंक गिरकर 81,130.74 अंक पर खुला और 1,064.12 अंक टूटकर 80,684.45 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 199.75 अंक गिरकर 24,468.50 अंक पर खुला और 332.25 अंक गिरकर 24,336 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भी गिरावट का दौर जारी रहा। सेंसेक्स 428.09 अंक गिरकर 80,268.36 पर खुला और 502.25 अंक टूटकर 80,182.20 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 104.35 अंकों की गिरावट के साथ 24,231.65 के स्तर पर खुला और 137.16 अंक फिसलकर 24,198.85 पर बंद हुआ। अगले साल ब्याज दरों में कम कटौती के अमेरिकी फेड के अनुमान और लगातार चौथे दिन बिकवाली हावी रहने की वजह से घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को खुलते ही धड़ाम हो गया। सेंसेक्स

शुरुआती कारोबार में 1,162.12 अंक की गिरावट के साथ 79,020.08 अंक पर खुला और 964.15 अंकों की गिरावट के साथ 79,218.05 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 328.55 अंक फिसलकर 23,870.30 अंक पर खुला और 247.15 अंक टूटकर 23,951.70 पर बंद हुआ। घरेलू बाजारों सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 214.08 अंक फिसलकर 79,003.97 अंक पर खुला और 1,176.46 अंक टूटकर 78,041.59 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 63.8 अंक की गिरावट के साथ 23,887.90 अंक पर खुला और निफ्टी 364.21 अंक फिसलकर 23,587.50 पर बंद हुआ।

एक्सपायर डेट वाली चीजों का डेटा ऑनलाइन अनुपालन प्रणाली से पेश करेंः एफएसएसएआई

- पोर्टल पर अपलोड करना होगा डेटा

नई दिल्ली । भारतीय खाद्य मानक और प्रमाणन प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है, जिसमें लाइसेंस प्राप्त खाद्य निर्माता और आयातकों को स्पष्ट किया गया है कि वे रिजेक्टेड और एक्सपायर खाद्य आइटम्स का तिमाही डेटा (ऑनलाइन अनुपालन प्रणाली) के माध्यम से पेश करें। इसका मकसद है कि ऐसे उत्पादों के पुनः उपयोग को रोका जा सके। इस निर्देश के तहत, तीन अहम क्षेत्रों का विशेष महत्व है- पहला, आंतरिक गुणवत्ता परीक्षण या निरीक्षण में फेल होने वाले उत्पादों की मात्रा; दूसरा, फूड सप्लाई चेन से रिजेक्टेड उत्पादों की संख्या; और तीसरा, प्रोडक्ट डिस्पोजल की डिटेल रिपोर्ट। यह निर्देश हाल ही में जारी किया गया और इसका पालन करने के लिए रिपैकर्स और रीलेवलर्स को जिम्मेदारी सुनिश्चित करनी होगी। एफओएससीओएस की रिपोर्टिंग फंक्शन अभी भी विकसित हो रहा है, और नियामक ने खाद्य उद्यमों से जरूरी डेटा इकट्ठा करने का आग्रह किया है। हाल ही में एफएसएसएआई ने एक अलग आदेश जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि ऑनलाइन काम करने वाले सभी फूड बिजनेस ऑपरेटर्स (एफबीओ) को चाहिए कि उन्हें केवल उन खाद्य आइटम्स की डिलीवरी करें, जिनकी एक्सपायरी डेट कम से कम 45 दिन बाकी हो। यह कदम उपभोक्ताओं के हित के लिए उठाया गया है ताकि उन्हें ताज़गी से तैयार भोजन मिल सके। कंज्यूमर्स की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय ने एक नया ई-जागृति ऐप शुरू करने की योजना बनाई है, जिसकी विशेषता यह है कि इसके माध्यम से लोग अपनी शिकायतें आसानी से दर्ज कर सकें। इन निर्देशों का पालन करने से प्रयोजन है कि भारत में खाद्य सुरक्षा में सुधार हो, और उपभोक्ताओं को सुरक्षित और स्वस्थ खाद्य सुरक्षा का आनंद मिले।

भारत की पीएलआई योजनाएंः आत्मनिर्भर भारत की ओर महत्वपूर्ण कदम

- भारत के विजन को दे रही नई दिशा, 1.97 लाख करोड़ का प्रोत्साहन

नई दिल्ली ।

भारत के आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ाने के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजनाएं एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही हैं। इस योजना के तहत 1.97 लाख करोड़ रुपए का प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जो देश की विनिर्माण और निर्यात क्षमताओं को बढ़ाने में मददगार साबित हो रहा है। नवंबर 2020 में शुरू की गई इस योजना ने अब तक अनेक उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं। इसके तहत 1.46 लाख करोड़ रुपए के निवेश को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे 12.50 लाख करोड़ रुपए के उत्पादन और बिक्री को बढ़ावा दिया गया है। इसके साथ ही, 4 लाख करोड़ रुपए के निर्यात में वृद्धि दर्ज की गई है और 9.5 लाख लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए गए हैं। इस योजना ने 14 प्रमुख क्षेत्रों में अपना प्रभाव दिखाया है, जिसमें मोबाइल निर्माण, फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, और उन्नत रसायन कोशिका बैटरियां शामिल है। यह योजना देश के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इसके साथ ही पीएलआई योजना ने विभिन्न क्षेत्रों में अनुकूलित एंकर इकाइयों की मदद से आपूर्ति श्रृंखला में सुधार किया है, जिससे एमएसएमई क्षेत्र में नई विनिर्माण इकाइयों का विकास हो रहा है।

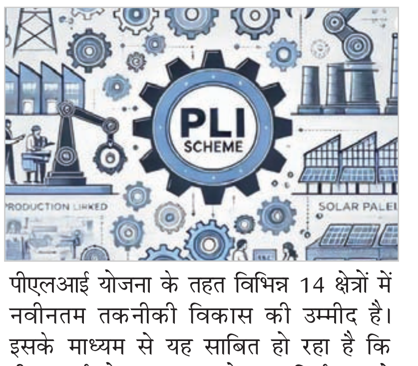

पीएलआई योजना के तहत विभिन्न 14 क्षेत्रों में नवीनतम तकनीकी विकास की उम्मीद है। इसके माध्यम से यह साबित हो रहा है कि पीएलआई योजना भारत को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

भारत प्योर स्टोरेज के लिए तेजी से बढ़ता बाजारः रिपोर्ट

- कंपनी भारत में विस्तृत व्यापार नेटवर्क का कर रही है विस्तार

नई दिल्ली ।

डेटा सॉल्यूशंस और प्लेटफॉर्म्स कंपनी प्योर स्टोरेज ने भारत में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करने के बाद नए उत्साह से विस्तार की योजना बनाई है। न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज (एनवायएसई) पर सूचीबद्ध प्योर स्टोरेज ने अपने कारोबार में वृद्धि के उत्कृष्ट परिणामों की रिपोर्ट प्रस्तुत की है। रिपोर्ट में बताया गया कि कंपनी भारत में विस्तृत व्यापार नेटवर्क का विस्तार कर रही है और इसके लिए भारतीय बाजार में निवेश करने की योजना बना रही है। भारत की तकनीकी रूप से उन्नित जनसंख्या के कारण भारत एक महत्वपूर्ण बाजार है, और उनके इनोवेशन और उद्यमिता से कंपनी का व्यापक विस्तार हो सकता है। कंपनी की योजना है कि वे भारत में अपनी बिक्री और मार्केटिंग क्षमताओं को दोगुना करें और उच्च-तकनीकी समुदाय के लिए उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान करें। इसके साथ ही प्योर स्टोरेज का मुख्य ध्यान स्टोरेज-एज़-अ-सर्विस समाधान प्रदान करने पर है, जिसका उद्देश्य ग्राहकों को स्टोरेज की सुविधा और क्लाउड सेवाओं की तरह सुविधा प्रदान करना है। कंपनी की आगामी योजनाएं भारत में डेटा प्रबंधन को एक नए स्तर पर ले जाने पर हैं, साथ ही एआई के क्षेत्र में दक्ष स्टोरेज समाधान विकसित करने का लक्ष्य रखा जा रहा है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का संभवतः शेड्यूल आया सामने, भारत-पाक मैच इस तारीख से

खेल डैस्क। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के शेड्यूल को लेकर अहम जानकारी सामने आई है। टीम इंडिया अपना पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेल सकती है। यह मैच 20 फरवरी को होगा। भारतीय टीम अपने अन्य दो मुकाबले पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। दोनों मैचों का वेन्यू क्या होगा, यह अभी साफ नहीं हो पाया लेकिन इसे श्रीलंका के कोलंबो या यूएई के दुबई में करवाया जा सकता है। इस पर आधिकारिक बयान आना बाकी है। कयास लगाए जा रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को मैच खेला जा सकता है। टीम इंडिया पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ एक ग्रुप में है।

इन दो ग्रुपों में बांटी जाएंगी टीमें

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए दो ग्रुप बनेंगे। इसमें भारत, पाकिस्तान, न्यूजीलैंड और बांग्लादेश को ए ग्रुप में रखा जाएगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान बी ग्रुप में। अफगानिस्तान ने बीते कई महीनों से परफॉर्मेंस में काफी सुधार किया है। उन्होंने पाकिस्तान समेत कई बड़ी टीमों को मात दी है।

टीम इंडिया कहां खेलेगी अपने मैच

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए हाइब्रिड मॉडल को अप्रूव कर दिया है। अब भारतीय टीम अपने मैच पाकिस्तान में खेलने नहीं जाएगी। वहीं, पाकिस्तान टीम भी साल 2027 तक भारत में नहीं आएगी। दोनों टीमें किसी अन्य स्थानों पर मैच खेलती नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि भारत और पाक के बीच आगामी मुकाबला कोलंबो या दुबई में हो सकता है। इन दोनों में से ही किसी एक शहर को चुनने की संभावना है।

ऐसा हो सकता है चैंपियंस ट्रॉफी में टीम इंडिया का शेड्यूल

भारत बनाम बांग्लादेश - 20 फरवरी
भारत बनाम पाकिस्तान - 23 फरवरी
भारत बनाम न्यूजीलैंड - 2 मार्च

भारत का चैंपियंस ट्रॉफी में प्रदर्शन

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का रिकॉर्ड बहुत ही अच्छा रहा है। भारत ने इस टूर्नामेंट में 2002, 2013 और 2017 में भाग लिया और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में सफलता पाई। 2002 में भारत और पाकिस्तान में फाइनल हुआ था। उक्त मैच बारिश के कारण बिना किसी परिणाम के समाप्त हो गया। दोनों देशों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया। साल 2006 में भारत आगे नहीं बढ़ पाया था। 2009 में भारत ने सेमीफाइनल गंवा दिया था। 2013 में वह इंग्लैंड और वेल्स में इंग्लैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीतने में कामयाब रही। 2017 में हुई चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत पहुंचा था लेकिन पाकिस्तान खिताब जीतने में सफल रही थी।

रॉबिन उथप्पा के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला, गिरफ्तारी वारंट जारी

बेंगलुरु (कर्नाटक) (एजेंसी)। भविष्य निधि (पीएफ) मामले से संबंधित कर्मचारियों और सरकार को धोखा देने के एक कथित मामले में भारत के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हुआ है। सेंटोरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक के रूप में, उथप्पा पर कर्मचारियों और सरकार को वेतन से पीएफ योगदान में कटौती करने लेकिन कर्मचारी खातों में धनराशि जमा करने में विफल रहने का आरोप है। कंपनी पर कथित तौर पर 23.36 लाख रुपए का हर्जाना बकाया है, जिसे अधिकारी उथप्पा से वसूलना चाहते हैं।

धोखाधड़ी के आरोप में क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त शादक्षीरी गोपाल रेड्डी ने 4 दिसंबर, 2024 को एक पत्र जारी कर पुलकेशी नगर पुलिस को उथप्पा को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। इसी पृष्ठभूमि में पुलिस रॉबिन उथप्पा के घर नोटिस जारी करने गई थी. वर्तमान में, वह उस पते पर नहीं रहता है। इसलिए रॉबिन उथप्पा के लिए वारंट जारी कर दिया गया है।

बयान में लिखा गया है कि आपको सूचित किया जाता है कि टीके कृष्णा दास, जो एम/एस सेंटोरस लाइफस्टाइल ब्रांड्स प्राइवेट लिमिटेड (ईएसटी कोड (पीवाई/केआरपी/1524922) के निदेशक हैं, इंदिरानगर में एचएएल सेकेंड स्टेज में संबोधित हैं, धारा 7ए के तहत नुकसान की भरपाई करने में विफल रहे हैं। कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) और विविध प्रावधान (एमपी) अधिनियम, 1952 की धारा 14बी, और 7क्यू के तहत रु. 23,36,602, जिसमें वसूली के 6,550 रुपए भी शामिल हैं। बयान में आगे कहा गया- इसलिए, आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त प्रतिष्ठान के निदेशक रॉबिन उथप्पा की गिरफ्तारी के संलग्न वारंट को उस थाना प्रभारी के माध्यम से निष्पादित करें, जिसके अधिकार क्षेत्र में नियोक्ता रहता है। बकाया भुगतान न करने के कारण, यह कार्यालय गरीब श्रमिकों के भविष्य निधि खातों का निपटान करने में असमर्थ है। उपरोक्त को देखते हुए, आपसे अनुरोध है कि उस थाना प्रभारी के माध्यम से गिरफ्तारी के संलग्न वारंट को निष्पादित करें जिसके अधिकार क्षेत्र में उथप्पा रहता है। बता दें कि उथप्पा ने 59 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और इंडियन प्रीमियर लीग में तगड़े बल्लेबाज रहे हैं।

लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक बनाने वाले भारतीय बने अनमोलप्रीत सिंह

अहमदाबाद (एजेंसी)। पंजाब के अनमोलप्रीत सिंह ने विजय हजारे एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप सी में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ केवल 35 गेंद पर शतक जड़ा जो लिस्ट ए क्रिकेट में सबसे तेज शतक का भारतीय रिकॉर्ड है। अनमोलप्रीत की इस तूफानी पारी की बदौलत पंजाब ने अरुणाचल प्रदेश को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी। अनमोलप्रीत को पिछले महीने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में कोई खरीदार नहीं मिला था लेकिन अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ उन्होंने अपने आक्रामक तेवरों का खुलकर प्रदर्शन करते हुए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर यूसुफ पठान का रिकॉर्ड तोड़ा।

जिन्होंने 2009-10 में बड़ौदा की तरफ से महाराष्ट्र के खिलाफ 40 गेंद पर शतक लगाया था। अगर विश्व रिकॉर्ड की बात करें तो अनमोलप्रीत की पारी लिस्ट ए में सबसे तेज शतकों की सूची में तीसरे नंबर पर है। रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के जेक-फ्रेजर मैकगर्क के नाम पर है जिन्होंने 2023 24 में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तस्मानिया के खिलाफ केवल 29 गेंद पर शतक जड़ दिया था। उनके बाद दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स का नंबर आता है जिन्होंने 2014-15 में वेस्टइंडीज के खिलाफ जोहानिसबर्ग में 31 गेंद पर शतक बनाया था।

दाएं हाथ के बल्लेबाज अनमोलप्रीत ने 45 गेंद पर नाबाद 115 रन बनाए जिसने 12 चौके और नौ छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की मदद से पंजाब ने केवल 12.5 ओवर में 165 रन का लक्ष्य हासिल कर दिया। पंजाब ने एक विकेट पर 167 रन बनाए। कप्तान अभिषेक शर्मा (10) के जल्दी आउट होने के बाद अनमोलप्रीत ने प्रभसिमरन सिंह (नाबाद 35) के साथ दूसरे विकेट के लिए 153 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को आसान जीत दिलाई। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश की टीम 164 रन पर आउट हो गई थी। पंजाब की तरफ से तेज गेंदबाज अश्वनी कुमार और लेग स्पिनर मयंक मारकंडे ने तीन-तीन विकेट लिए।

कोहली अंतर पैदा कर देंगे : बॉक्सिंग डे टेस्ट पर बोले पूर्व कोच संजय बांगड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व मुख्य कोच संजय बांगड़ का मानना है कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में होने वाला बॉक्सिंग डे टेस्ट एकदम सही है। विराट कोहली के पास इस अवसर पर आगे बढ़ने और खुद को भारत की बल्लेबाजी लाइनअप के आधार के रूप में फिर से स्थापित करने का अवसर है। फिलहाल बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 1-1 से बराबरी पर है। यह मैच जीतते ही भारत की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं मजबूत हो जाएंगी। मौजूदा सीरीज में कोहली का फॉर्म मिला-जुला रहा है। जहां पर्थ में उनके शतक ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई, वहीं अन्य मैचों में उनका प्रदर्शन निराशाजनक रहा। 6 पारियों में 30 की औसत से केवल 126 रन बनाने वाले कोहली निरंतरता बनाए रखने में विफल रहे हैं। अपने पर्थ शतक को छोड़कर उन्होंने 5 पारियों में केवल 26 रन बनाए हैं।

टेस्ट सीरीज में कोहली एक बार फिर से ऑफ-स्टंप के बाहर की डिलीवरी पर फंसते नजर आ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इस कमजोरी का जमकर फयदा भी उठाया है। हालांकि, पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने इस बात पर जोर दिया कि क्रीज पर धैर्य और शांत रवैया कोहली के लिए इन संघर्षों का इलाज हो सकता है। बांगड़ ने कहा कि कभी-कभी आपको एक बल्लेबाज के रूप में अपनी स्थिति को थोड़ा नियंत्रण में रखने की आवश्यकता होती है। जब आप खेल के प्रति थोड़ा समर्पण करते हैं, थोड़ा समय बिताते हैं, कुछ समय के लिए बीच में आराम करते हैं, गेंदबाज के आपके पास आने का इंतजार करते हैं, और खुद गेंदबाज के पास नहीं जाते हैं, यह एक बड़े खिलाड़ी की निशानी है।

एमसीजी का मैदान पर कोहली के लिए रन लेकर आता है। इस मैदान पर वो 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं। 2014 के बॉक्सिंग डे टेस्ट में उन्होंने इसी मैदान पर 169 रन बनाए थे। मेलबर्न की पिच उछाल के लिए जानी जाती है, ऐसी परिस्थितियां अक्सर कोहली को रास आती हैं। बांगड़ ने कहा कि कोहली को अपने फ्रंट पैड के करीब गेंदों को खेलने पर ध्यान देने की जरूरत है, एक ऐसा तरीका जो उन्हें लय और प्रवाह हासिल करने में मदद कर सकता है। जितनी संभव हो उतनी गेंदें अपने फ्रंट पैड के करीब खेलें और फिर रन बनेंगे। इस हाई-स्टेक मुकाबले में विराट की भूमिका अंतर पैदा करने वाली हो सकती है। उन्होंने एमसीजी में पहले भी ऐसा किया है और ऐसा कोई कारण नहीं है कि वह दोबारा ऐसा नहीं कर सकें।

फॉलोऑन टालने पर भारतीय टीम के जश्न मानने को गलत नहीं मानते शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में फॉलोऑन टालने के बाद जश्न मनाने में कुछ भी गलत नहीं था। गाबा में मैच के चौथे दिन, आकाश दीप ने पैट कमिंस की गेंद पर चौका लगाकर फॉलोऑन खेलने से भारतीय टीम को बचा लिया। इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा, मुख्य कोच गौतम गंभीर और विराट कोहली भी ड्रेसिंग रूम में जश्न मनाते दिखे। वहीं ऑस्ट्रेलियाई प्रशंसकों ने इसपर हैरानी जतायी है। शास्त्री के अनुसार इसमें कुछ भी गलती नहीं दिखती। आपको क्यों नहीं जश्न मनाना चाहिए। कठिन हालातों में अंतिम जोड़ी का 35 से 36 रन बनाकर फॉलो-ऑन टालना आसान बात नहीं है। जश्न ने दिखाया कि वे सीरीज को लेकर उस प्रयास के महत्व को जानते थे।' शास्त्री ने कहा, फॉलो-ऑन करना एक बात है, फिर पिछड़ना एक बात है, जबकि आप आगे बढ़कर ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष क्रम को हिला देते हैं। यह पूरी तरह से सही है।

आईसीसी ने स्टंप पर लात मारने वाले क्लासेन पर जुर्माना लगाया

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन पर आईसीसी आचार संहिता के लेवल एक नियम के उल्लंघन के लिए जुर्माना लगाया है। क्लासेन पर ये जुर्माना पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे एकदिवसीय में 97 रन पर आउट होने के बाद गुस्से में स्टंप पर लात मारने के लिए लगाया है। आईसीसी ने उनकी मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है। क्लासेन ने इस मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 74 गेंदों पर 97 रन बनाये, जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 330 रनों तक पहुंच पायी। क्लासेन ने अंत तक बल्लेबाजी की और 43वें ओवर में आउट होने वाले अंतिम बल्लेबाज रहे। इस मैच में अफ्रीकी टीम को 81 रनों से हार का सामना करना पड़ा। हार गई. आउट होने के बाद निराश हुए क्लासेन ने स्टंप पर लात मारी, जिसके कारण आईसीसी ने उनपर जुर्माना लगाया। इस मैच में पाकिस्तान की जीत में बाबर आजम और कप्तान मोहम्मद रिजवान के अर्धशतकों की अहम भूमिका रही। इसके अलावा कामरान गुलाम ने भी 32 गेंदों में 63 रन बनाये।

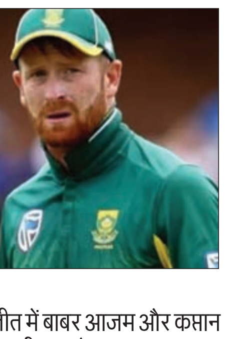

अभी मेरा ध्यान उत्तर प्रदेश की टीम को विजय हजारे ट्रॉफी जिताना : रिंकू

लखनऊ । विजय हजार ट्रॉफी में पहली बार उत्तर प्रदेश टीम की कप्तानी कर रहे रिंकू सिंह बेहद उत्साहित हैं। रिंकू ने कहा रिंकू को ऐसे समय में कप्तानी का प्रभार मिला है, जब उनकी आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स, आईपीएल 2025 सीज़न के लिए कप्तान चुनने पर विचार कर रही है। हालांकि रिंकू ने कहा कि उनका ध्यान अभी उत्तर प्रदेश की टीम को विजय हजारे ट्रॉफी जिताने पर है। उन्होंने कहा, मैं नए आईपीएल सीज़न में केकेआर की कप्तानी के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं। मैं अपनी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं जिससे उत्तर प्रदेश की टीम उस ट्रॉफ़ी को फिर से जीत सके, जो हमने पहली बार 2015-16 में जीती थी। यह टूर्नामेंट चयनकर्ताओं को फ़रवरी में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफ़ी के लिए भी एकदिवसीय टीम तय करने में सहायता करेगा। रिंकू के लिस्ट-ए आंकड़े बेहद प्रभावशाली हैं। उन्होंने 52 पारियों में 48.69 की औसत और 94.8 के स्ट्राइक रेट से कुल 1899 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और 17 अर्धशतक शामिल हैं। रिंकू इस टूर्नामेंट को अपनी योग्यता साबित करने के मौके के रूप में नहीं देख रहे हैं। उन्होंने कहा, मुझे भगवान पर भरोसा है। जब मैंने पिछले साल आईपीएल में लगातार पांच छक्के मारे थे, तब मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भारतीय टीम का हिस्सा बनूंगा। वह मेरी ज़िंदगी का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। आज भी मुझे लगता है कि अगर भगवान ने मेरे लिए कुछ तय किया है, तो मुझे वह ज़रूर मिलेगा, लेकिन इसके लिए मुझे अपनी मेहनत जारी रखनी होगी।

मैं दर्शकों की भावनाओं को समझता हूं, आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स को बनाएंगे चैंपियन : श्रेयस अय्यर

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2024 में 4 घरेलू टूर्नामेंट जीतने वाले श्रेयस अय्यर का कहना है कि उनका आगामी लक्ष्य आईपीएल 2025 में पंजाब किंग को खिताब दिलाना है। अय्यर ने पिछले साल कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाया था। ऐसे में नए साल में पंजाब किंग्स को खिताब दिलाकर वह लगातार दो विभिन्न फ्रेंचाइजियों से खिताब जीतने वाले पहले कप्तान बनने की कोशिश करेंगे। श्रेयस को जीत दिलाने के मकसद से पंजाब किंग्स ने आईपीएल मेगा नीलामी में 26.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के दूसरे सबसे महंगे क्रिकेटर भी हैं।

बहरहाल, श्रेयस अय्यर के लिए 2024 एक उल्लेखनीय वर्ष रहा है, क्योंकि भारत के बल्लेबाज ने कप्तान के रूप में 4 ट्रॉफियां जीतीं। उनके नेतृत्व में, मुंबई ने 2024-25 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

(एसएमएटी) जीती थी। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में फाइनल में उनकी टभ्म ने ने मध्य प्रदेश को पांच विकेट से हराया था। बहरहाल, अपनी हाल की उपलब्धियों पर विचार करते हुए, अय्यर ने आगामी आईपीएल सीज़न के लिए अपना उत्साह साझा किया।

अय्यर ने फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि एसएमएटी (सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी) जीतने के बाद यह एक अवास्तविक एहसास है। पर्दे के पीछे बहुत मेहनत की गई, और लड़कों ने अपने प्रदर्शन में जबरदस्त प्रदर्शन किया। अब, हम हैं इस हिस्से के साथ काम पूरा हो चुका है और अगली बड़ी चीज की ओर बढ़ रहा हूं, जो कि आईपीएल है। मैं पंजाब किंग्स का हिस्सा बनने के लिए बेहद उत्साहित हूं और पंजाब किंग्स परिवार में शामिल होने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

आईपीएल 2025 सीजन की तैयारी कर रहे श्रेयस का प्राथमिक लक्ष्य स्पष्ट है- पंजाब किंग्स के लिए आईपीएल जीतना। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत अच्छा साल रहा है। इस सीजन में चार ट्रॉफियां जीती। मेरा मुख्य लक्ष्य अब पंजाब के लिए आईपीएल जीतना है। मैं प्रशंसकों की भावना समझता हूं और रिकी पोंटिंग के साथ आने से खुश हूं। हम कई पहलुओं पर विचार-मंथन करेंगे और उम्मीद है कि पहले मैच से ही अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

बांग्लादेश वेस्टइंडीज मैच में बल्लेबाज को आउट दिये जाने के बाद वापस बुलाया गया

जमैका । वेस्टइंडीज को बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में हार झेलनी पड़ी। इस मैच में बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 189 रन बनाये। वहीं इसका पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 109 रन ही बना पायी और 81 रनों से हार गयी। ये मैच एक और कारण से चर्चाओं में आया है। इस मैच में बांग्लादेश के बल्लेबाज जेकर अली को रन आउट दिये जाने के बाद ड्रेसिंग रूम से वापस बुलाया गया। बांग्लादेश की पारी के 15वें ओवर की है। उस समय जेकर और शमीम हुसैन एक रन लेने दौड़े थे। ओवर की तीसरी गेंद को जेकर ने स्क्वायर लेग की ओर खेला था जिसके बाद वह एक रन लेने दौड़ गये। वहीं हुसैन ने उन्हें वापस जाने को कहा दिया। जेकर इस दौरान आधी पिच तक पहुंच गये थे उन्होंने दौड़ जारी रखी और क्रीज पर पहुंच गये। अंपायरों के रन आऊट दिये जाने वर वह ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़ गए पर रिप्ले से पता चला कि वह क्रीज पार कर चुके थे जबकि हुसैन का बल्ला हवा में ही था। अंपायरों ने फौरन अपना फैसला बदलते हुए जेकर को वापस बुला लिया। बांग्लादेश की ओर से परवेज हुसैन ने 39 रन जबकि लिटन दास ने 14 रन बनाये। वहीं मध्यक्रम में जेकर ने 41 गेंदों पर 3 चौके और 6 छक्कों की सहायता से 72 रन बनाए। इसके अलावा मेहंदी हसन मिराज ने 29 रन बनाए। तंजीम ने 12 गेंदों पर 17 रन बनाए और स्कोर 189 तक पहुंचा दिया। इसके बाद मेजबान वेस्टइंडीज टीम 109 रनों पर ही सिमट गयी और 81 रनों से मैच हार गयी। वेस्टइंडीज की ओर से रोमारियो ने सबसे अधिक 33 रन बनाए। वहीं जॉनसन चार्ल्स ने भी 23 रन बनाए। बांग्लादेश की ओर से राशिद ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए।

महान रेसलर रे मिस्टीरियो सीनियर का निधन, 30 साल की थी रैसलिंग

खेल डैस्क । प्रसिद्ध मैक्सिकन पहलवान रे मिस्टीरियो सीनियर का 66 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बताया जा रहा है कि पहलवान का बीते 20 दिसंबर को ही निधन हो गया था लेकिन इसकी पुष्टि परिवार ने अब की है। मिस्टरियो सीनियर ने मेक्सिको में लुचा लिब्रे स्टाइल में प्रसिद्धि हासिल की थी। वर्ल्ड रेसलिंग एसोसिएशन और लुचा लिब्रे एएए वर्ल्डवाइड जैसे प्रमुख संगठनों के साथ उन्होंने कई चैंपियनशिप खिताब जीते थे। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिसमें 1990 में विश्व चैम्पियनशिप कुश्ती के स्टारकेड जैसे आयोजन भी शामिल थे। अपनी ऊंची उड़ान शैली और कुश्ती में योगदान के लिए जाने जाने वाले मिस्टीरियो ने दुनिया भर में अनगिनत प्रशंसकों और एथलीटों को प्रेरित किया। मिस्टरियो जिसका असली नाम मिगुएल एंजेल लोपेज डायस था, की मौत का खुलासा लुचा लिब्रे एएए ने एक्स अकाऊंट पर डाली एक पोस्ट से हुआ। उन्होंने उनके परिवार के लिए प्रार्थनाएं और अपनी गहरी संवेदनाएं भेजीं। पोस्ट में लिखा है- हमें मिगुएल एंजेल लोपेज डायस की संवेदनशील मौत पर अफसोस है, जिन्हें रे मिस्टीरियो सीनियर के नाम से जाना जाता है। हम उनके प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और उनकी शाश्वत शांति के लिए स्वर्ग से प्रार्थना करते हैं।

क्या है लूचा लिबरे- लूचा लिबरे मैक्सिकन पेशेवर कुश्ती है। यह एक ऐसी शैली है जो आमतौर पर मैक्सिको से जुड़ी हुई है और अपने रंग-बिरंगे मुखौटों वाले कलाकारों और हवाई चालों के लिए जानी जाती है। इनके सभी पहलवान मुखौटे डालकर रिंग में आते हैं। इनमें रे मिस्टीरियो सबसे ज्यादा फेम्स हैं।

वसीम अकरम जैसे गेंदबाज हैं बुमराह : लैंगर

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह पाकिस्तान के वसीम अकरम जैसा गेंदबाज है। बुमराह ने अब तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक विकेट लिए हैं। बुमराह ने 10.90 की औसत से 21 विकेट लिए हैं। उन्होंने अब तक सीरीज में सलामी बल्लेबाजों को भी 4-4 बार आउट किया है। इसी को देखते हुए लैंगर ने कहा कि मैं भी उनका सामना नहीं करना चाहूंगा। वह अकरम की तरह गेंदबाजी करता है। वह एक प्रकार से अकरम का दाहिना हाथ का संस्करण नजर आता है। वहीं जब भी मुझसे यह सवाल पूछा जाता है कि आपके सामने अब तक का सबसे अच्छा गेंदबाज कौन है, तो मैं कहता हूं अकरम क्योंकि उनके पास अच्छी गति थी। वह हर बार एक ही स्थान पर गेंद डालते थे। उनके बास अच्छा बाउंस थ। वह गेंद को दोनों तरफ स्विंग करवा लेते थे। इससा उनका सामना करना बेहद कठिन होता था। लैंगर ने कहा कि मुझे इसी प्रकार बुमराह का सामना करने से नफरत होगी। वह एक महान प्रतिस्पर्धी है, वह अच्छी गति से गेंदबाजी करता है और वह अद्भुत है। मैंने सीरीज की शुरुआत में कहा था, अगर बुमराह फिट रहते हैं, तो यह ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए वास्तव में परेशानी साबित होगें जो सही रहा है। अगर वह यहां नहीं होते तो मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलिया आसानी से सीरीज जीत जेती। लैंगर ने यह भी कहा कि शीर्ष क्रम के खराब प्रदर्शन के बावजूद टीम अपनी बल्लेबाजी में कोई बदलाव नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि मैं उन्हें अब श्रृंखला में 1-1 से कोई बदलाव करते हुए नहीं देख सकता। कुछ खिलाड़ियों के बारे में कुछ चर्चा होगी, लेकिन मुझे लगता है कि वे इसे वैसे ही रखेंगे।

भारत करेगा आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप 2025 की मेजबानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को अगले साल के जूनियर विश्व कप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगितायें शामिल हैं। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्व कप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी।

हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। एनआरएआई द्वारा आईएसएसएफ से आधिकारिक पुष्टि प्राप्त करने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने के तरीके की प्रशंसा की थी।'' उन्होंने कहा, ''हमें तब इसका अहसास हुआ था, लेकिन अब जब आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं।'' एनआरएआई के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद जल्द उनके साथ इसे साझा करेंगे ताकि सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।''

इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगितायें और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569
स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रवीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नोएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादकः कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालयः मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकारः बृहमदत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

पुष्पा 2 से बेबी जॉन के टकराव पर एटली ने तोड़ी चुप्पी

वरुण धवन अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म बेबी जॉन की रिलीज के लिए तैयारी कर रहे हैं। कलीस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। फिल्म रिलीज से पहले 18 दिसंबर को बेबी जॉन की टीम को मुंबई में एक कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते देखा गया। प्रेस मीट इवेंट के दौरान फिल्म निर्माता एटली ने ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा 2 से इसके टकराव पर चुप्पी तोड़ी और मामले पर बड़ा बयान देते नजर आए।

पुष्पा 2 से बेबी जॉन के टकराव पर एटली की दो टूक

एटली ने अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना अभिनीत फिल्म पुष्पा 2- द रूल से अपनी फिल्म बेबी जॉन की प्रतिस्पर्धा पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। एटली ने कहा कि वह इसे टकराव के तौर पर नहीं देखते हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि अल्लू अर्जुन ने वरुण धवन को बेबी जॉन के लिए बधाई दी थी। इवेंट के दौरान एटली से 25 दिसंबर को बेबी जॉन की रिलीज के बारे में पूछा गया, जबकि अल्लू अर्जुन की फिल्म पहले से ही सिनेमाघरों में चल रही है।

यह कोई टकराव नहीं

एटली ने मीडिया से कहा, यह एक पारिस्थितिकी तंत्र है। मैं और अल्लू अर्जुन सर बहुत अच्छे दोस्त हैं। हम बेबी जॉन को दिसंबर के चौथे सप्ताह में रिलीज कर रहे हैं इसलिए इसे टकराव मत कहिए। हम जानते हैं कि पुष्पा 2 अगस्त से दिसंबर में स्थानांतरित हो गई और हमने क्रिसमस के आसपास अपनी रिलीज की योजना बनाई है। हम सभी पेशेवर हैं, और हम जानते हैं कि इसे कैसे संभालना है।

अल्लू ने वरुण को फोन कर दी बधाई

उसी बातचीत के दौरान एटली ने खुलासा किया कि अल्लू अर्जुन ने उन्हें और वरुण धवन को फोन किया और उन्हें बेबी जॉन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपनी बात में जोड़ा, उन्होंने मुझे फिल्म के लिए बधाई दी और वरुण से बात की। इस इकोसिस्टम में बहुत अच्छी दोस्ती और प्यार है।

बेबी जॉन की रिलीज डेट

इस बीच बेबी जॉन एटली और विजय की तमिल फिल्म थेरी का रूपांतरण है। दिलचस्प बात यह है कि बेबी जॉन में सलमान खान का विशेष कैमियो है। ट्रेलर में सुपरस्टार की एक झलक पेश की गई और प्रशंसक इसे देखकर उत्साहित हो गए। बेबी जॉन 25 दिसंबर 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अदिवि शेष की डकैत में मृणाल ठाकुर को मिला मौका

श्रुति हासन की छुट्टी

टॉलीवुड अभिनेता आदिवि शेष के जन्मदिन पर निर्माताओं ने फिल्म डकैत का पोस्टर जारी किया है। उनकी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक डकैत है, जिसका निर्देशन शैनियल देव कर रहे हैं। यह एक प्रेम कहानी है। निर्माताओं ने फिल्म डकैत का पोस्टर जारी किया, जिसमें श्रुति हासन की जगह मृणाल ठाकुर नजर आईं। निर्माताओं ने मृणाल के दो पोस्टर जारी किए हैं। एक पोस्टर में, आदिवि शेष सीरियस दिखाई दे रहें हैं, जबकि मृणाल उन्हें दुख से देखती नजर आ रही हैं दूसरे पोस्टर में मृणाल हाथ में बंदूक लिए गुस्से में दिखाई दे रही हैं। दोनों ही स्टार्स स्टाइलिश तरीके से कार में बैठे हुए नजर आ रहे हैं। डकैत के दोनों पोस्टर काफी शानदार हैं।

फिल्म की कहानी

यह फिल्म दो पूर्व प्रेमियों की कहानी है, जिन्हें कई साहसिक डकैतियों के लिए फिर से एकजुट होने के लिए मजबूर किया जाता है, जो आखिर में उनके जीवन की दिशा बदल देती है। फिल्म का निर्माण सुप्रिया यारलागड्डा ने किया है, सह-निर्माता सुनील नारंग हैं और अन्नपूर्णा स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत किया गया है। फिल्म की शूटिंग हिंदी और तेलुगु में एक साथ की जा रही है, जिसकी कहानी और पटकथा अदिवी शेष और शैनियल देव ने मिलकर तैयार की है। फिल्म की शूटिंग फिलहाल हैदराबाद में हो रही है। इसके बाद महाराष्ट्र में एक और शेड्यूल की शूटिंग होनी बाकी है।

मृणाल ने किया श्रुति को रिप्लेस

फिल्म डकैत में पहले श्रुति हासन को लिया गया था। लेकिन आज पोस्टर रिलीज के बाद यह साफ हो गया है कि इस फिल्म में श्रुति की जगह मृणाल ने ले ली है। यह फिल्म एक गुस्सैल अपराधी के सफर पर आधारित है, जो अपनी पूर्व प्रेमिका से धोखा खाने के बाद उससे बदला लेने का प्लान बनाता है। डकैत में मृणाल का एक ऐसा रूप दिखाई देगा, जिसे आपने पहले कभी नहीं देखा होगा।

फिल्म के बारे में मृणाल की राय

फिल्म के बारे में बात करते हुए मृणाल ने कहा, डकैत की कहानी अपने सार में सच्ची है, देहाती कहानी कहने का एक बेहतरीन तरीका, जो अदिवी और शेनिल देव दोनों के विचारों से और भी बेहतर हो गया है। मैं जिस किरदार को फिल्म में निभाने जा रही हूं, वह मुझे एक ऐसे किरदार को निभाने का मौका देगा, जो मैंने एक अभिनेता के तौर पर पहले कभी नहीं निभाया है। मैं शेनिल द्वारा कल्पना की गई दुनिया में गहराई से उतरने का इंतजार नहीं कर सकती। अदिवी ने डकैत को लेकर कहा, डकैत एक मार्मिक प्रेम कहानी वाली एक दमदार एक्शन फिल्म है। हम डकैत टीम में मृणाल का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं और बड़े पर्दे पर उनके आमने-सामने आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इस दिन रिलीज होगी शाहिद कपूर-तृप्ति की एक्शन फिल्म, निर्माताओं ने हटाया तारीख से पर्दा

शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी परदे पर पहली बार साथ नजर आएंगे। सितारों के हाथ साजिद नाडियाडवाला की फिल्म लगी है, जिसका निर्देशन विशाल भारद्वाज कर रहे हैं। 18 दिसंबर को इसकी रिलीज डेट का एलान हो गया है। साथ ही यह जानकारी भी आधिकारिक तौर पर दी गई है कि शूटिंग कब से शुरू होगी। फिल्म अगले साल दर्शकों के बीच पहुंचेगी। साजिद नाडियाडवाला ने अपने एक्स हैंडल से पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने बताया है कि फिल्म की शूटिंग अगले साल जनवरी से शुरू होगी। वहीं, फिल्म रिलीज होगी दिसंबर में जाकर। पोस्ट में लिखा है, 6 जनवरी 2025 को एक शानदार सिनेमाई यात्रा शुरू होने जा रही है। फिल्म 5 दिसंबर 2025 को रिलीज होगी। इस पोस्ट में तृप्ति और शाहिद के अलावा नाना पाटेकर और रणदीप हुड्डा भी नजर आएंगे।

गैंगस्टर के रोल में दिखेंगे शाहिद

यह फिल्म स्वतंत्रता के बाद के युग में अंडरवर्ल्ड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। शाहिद इसमें गैंगस्टर के रोल में दिखेंगे। नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट की कई दिलचस्प फिल्में रिलीज होने वाली हैं। शाहिद और तृप्ति की फिल्म के अलावा सलमान खान अभिनीत सिकंदर भी कतार में है। यह फिल्म अगले साल ईद के अवसर पर रिलीज होगी। इसके अलावा हाउसफुल 5 और बागी 4 भी पाइपलाइन में हैं। बागी 4 में टाइगर श्रॉफ के अपोजिट पूर्व मिस यूनिवर्स हरनाज संधू भी नजर आएंगी। इस फिल्म से वे हिंदी सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं।

शाहिद और तृप्ति का वर्क फ्रंट

अभिनेता शाहिद कपूर इस साल फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में नजर आए। यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है। वहीं, तृप्ति डिमरी के लिए भी यह साल काफी शानदार रहा है। भूल भुलैया 3 में वे कार्तिक के साथ नजर आईं। इसके अलावा वे 'बैड न्यूज' और विक्की विद्या का वो वाला वीडियो फिल्मों को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहीं। देखना दिलचस्प होगा कि आगामी फिल्म में शाहिद के साथ तृप्ति की जोड़ी दर्शकों को कितनी पसंद आती है।

किल और चांद मेरा दिल के बाद लक्ष्य के हाथ लगी एक और फिल्म

अभिनेता लक्ष्य के सितारे बुलंदियों पर हैं। उस पर करण जौहर भी उन पर मेहरबान हैं। इस साल वे धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म किल में नजर आए। करण जौहर की चांद मेरा दिल में भी वे नजर आने वाले हैं। इस बीच दिलचस्प जानकारी सामने आई है कि लक्ष्य के हाथ एक और फिल्म लगी है, वह भी धर्मा की है। इस तरह लक्ष्य करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस के साथ हैट्रिक लगाने वाले हैं।

लक्ष्य का डेब्यू करण जौहर के प्रोडक्शन हाउस की फिल्म किल के जरिए हुआ। इसमें उन्होंने कमाल के एक्शन सीन दिए। अपने अभिनय से एक्टर ने अपनी पहली ही फिल्म से दर्शकों के बीच खास जगह बना ली। धमाकेदार डेब्यू के बाद करण जौहर एक्टर लक्ष्य के साथ अपनी अगली फिल्म चांद मेरा दिल का एलान पहले ही कर चुके हैं, जिसमें अनन्या पांडे भी नजर आएंगी। इस बीच लक्ष्य की झोली में तीसरी फिल्म आ गिरी है। लक्ष्य खुद को किसी खास शैली में बांधकर नहीं रखना चाहते। डेब्यू फिल्म में वे एक्शन अवतार में नजर आए। मगर, उनकी दूसरी फिल्म चांद मेरा दिल एक लव स्टोरी है। इसमें वे अनन्या पांडे के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। लेकिन, इस लव स्टोरी फिल्म के बाद एक बार फिर वे एक्शन का धमाल करेंगे। सूत्रों के मुताबिक, लक्ष्य करण जौहर की नए दौर की एक्शन फिल्म में दिखाई देंगे। किल की तरह ही यह भी एक धमाकेदार एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी।

नई स्टारकास्ट के साथ आएगी कॉकटेल 2

2012 को रिलीज हुई फिल्म कॉकटेल ने खूब धमाल मचाया था। फिल्म में सैफ अली खान, डायना पेंटी और दीपिका पादुकोण की केमेस्ट्री सभी को पसंद आई थी। फिल्म का हर एक गाना दर्शकों की जुबा पर था। अब इस फिल्म का दूसरा भाग बनने जा रहा है। लेकिन इस बार कॉकटेल 2 में स्टारकास्ट नई होगी। फिल्म कॉकटेल 2 आने वाली है, जिससे प्रशंसक काफी उत्सुकता है। पहले इसके सीक्वल में सैफ अली खान की जगह कार्तिक आर्यन को लेकर बातचीत चल रही थी, लेकिन अब फिल्म की पूरी स्टारकास्ट तैयार है। जानिए कॉकटेल 2 में कौन-कौन नजर आएगा।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी की कॉकटेल के सीक्वल में अब नई कास्ट फाइनल हो गई है। इसमें शाहिद कपूर लीड हीरो के किरदार में नजर आएंगे। वहीं फिल्म में अब रश्मिका मंदाना और कृति सेनन के होने की बात भी सामने आई है। फिल्म में कृति सेनन दूसरी फीमेल लीड हीरोइन का किरदार निभाती नजर आएंगी।

फिल्म के निर्माता दिनेश विजान और निर्देशक होमी अदजानिया हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कॉकटेल के लिए अब रश्मिका मंदाना को नाम लीड हीरोइन के तौर पर फाइनल कर लिया गया है। शाहिद कपूर और रश्मिका पहले 2023 में अनीस बज्मी की डबल-रोल कॉमेडी के लिए साथ आने वाले थे, लेकिन बजट की वजह से यह प्रोजेक्ट वहीं रुक गया।

फिल्म की दूसरी लीड हीरोइन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कॉकटेल 2 के निर्माता एक ऐसी अभिनेत्री के साथ बातचीत कर रहे थे, जो पहले भी मैडॉक फिल्म्स के साथ लगातार सहयोग करती रही हो। कृति ने मैडॉक के साथ लुका छुपी, मिमी, और तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में काम किया है। इससे पहले कॉकटेल 2 के लिए सारा अली खान और अनन्या पांडे का नाम सामने आया था।

बच्चों के देखने लायक कंटेंट बनाना चाहते हैं वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन अपनी आगामी फिल्म बेबी जॉन के प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में उन्होंने मुंबई में एक प्रमोशनल इवेंट में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह हमेशा से बच्चों के मनोरंजन वाले कंटेंट बनाना चाहते हैं। वरुण धवन खुद एक बच्ची के पिता हैं और बच्चों के बीच भी काफी लोकप्रिय है।

बच्चों के देखने लायक कंटेंट बनाना चाहते हैं वरुण धवन

वरुण धवन ने इवेंट के दौरान कहा, अपने करियर के शुरुआती फिल्मों में भी मैं हमेशा ऐसी फिल्में बनाने पर ध्यान केंद्रित करता था, जिन्हें बच्चे देख सकें। मैं ऐसी फिल्में बनाना चाहता हूं, जिन्हें बच्चे देख सकें, उनका आनंद ले सकें, उनके चेहरों पर मुस्कान ला सकें और यही वजह है कि मैं बच्चों के साथ बहुत आनंद लेता हूं।

कब रिलीज होगी बेबी जॉन?

वरुण धवन की आगामी फिल्म 'बेबी जॉन' 25 दिसंबर को रिलीज होगी। इस फिल्म में वरुण धवन के साथ कीर्ति सुरेश, वामिका गब्बी और जैकी श्रॉफ नजर आएंगे। सलमान खान फिल्म में कैमियो करते नजर आएंगे।

प्रमोशन में भी एक्साइटेड दिखे वरुण

अपनी फिल्म 'बेबी जॉन' का प्रमोशन करते हुए वरुण धवन काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। इवेंट में फिल्म की पूरी टीम उनके साथ नजर आई। फिल्म के प्रोड्यूसर, राइटर एटली भी इवेंट में शामिल थे। सभी फिल्म 'बेबी जॉन' को लेकर एक्साइटेड नजर आए।

विजय थलापति की 'थेरी' का रीमेक है बेबी जॉन

वरुण धवन की फिल्म 'बेबी जॉन' विजय थलापति की साउथ फिल्म थेरी का हिंदी रीमेक है। साउथ वाली फिल्म को एटली ने डायरेक्ट किया था, अब वह फिल्म 'बेबी जॉन' के प्रोड्यूसर हैं, कहानी भी उनकी ही लिखी है। हिंदी फिल्म को कैलिस ने डायरेक्ट किया है।

बिग बॉस 18 के बाद 'लाफ्टर शेफ सीजन 2' का हिस्सा बन सकते हैं विवियन डिसेना

विवियन डिसेना टीवी की दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम है। वह बतौर रोमांटिक हीरो सीरियल्स में नजर आए हैं। इन दिनों विवियन सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए टीवी रियालिटी शो 'बिग बॉस' में नजर आ रहे हैं। विवियन के फैंस को इस शो में उनका एंग्री यंग मैन वाला अंदाज काफी भा रहा है। वह बिग बॉस 18 जीतने के लिए काफी मेहनत भी कर रहे हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो विवियन बिग बॉस के घर से निकलने के बाद बिल्कुल अलग तरह का शो करने वाले हैं।

विवियन करेंगे अलग जॉनर का शो

विवियन ने अब तक कॉमेडी नहीं की है, साथ ही दर्शकों ने उन्हें कुकिंग करते हुए भी टीवी पर नहीं देखा है। लेकिन बिग बॉस के बाद विवियन को दर्शक ऐसा करते हुए देख सकते हैं। कहा जा रहा है कि विवियन, 'लाफ्टर शेफ सीजन 2' का हिस्सा बन सकते हैं। अभी इस बात की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट्स ऐसा दावा कर रही हैं कि विवियन इस शो में नजर आएंगे।

'लाफ्टर शेफ सीजन 2' एक अलग तरह का शो है। इसे कॉमेडियन भारती सिंह और उनके पति हर्ष होस्ट करते हैं। इस शो में सेलिब्रिटीज आते हैं और अपना कुकिंग टैलेंट दिखाते हैं। साथ ही शो में खूब कॉमेडी भी होती है।